चैत्र शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 197 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
10 जनवरी 2025 शुक्रवार

आज का मौसम
27 अधिकतम
10 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

राजेश शर्मा का इकबाल तो गुना से ही बुलंद होने लगा था

आयकर छापों की जद में आए होशंगाबाद के मूल निवासी राजेश शर्मा और उनकी पत्नी राधिका शर्मा का इकबाल गुना से ही बुलंद होने लगा था। यह बात दिग्विजय सिंह के मुख्यमंत्रित्वकाल की है जब सूबे के पूर्व मुख्यसचिव इकबाल सिंह बेंस गुना के कलेक्टर हुआ करते थे। इसके बाद भोपाल कलेक्टर से आबकारी आयुक्त और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के सचिव , प्रमुख सचिव और बाद में मुख्यसचिव बनने पर शर्मा का इकबाल पराकाष्ठा पर जा पहुंचा। किसी राजनेता का करीबी होता तो शायद राजेश शर्मा का राज काफी पहले खुल जाता लेकिन अफसर का करीबीहोने के चलते वह कंबल ओढ़र घी पीता रहा। यही बात दूसरे शर्मा यानि की सौरभ शर्मा का है वह अपने डीएसपी स्तर के दो पुलिस अफसरों के जरिए 2016 में परिवहन में तैनात पुलिस अफसरों के जरिए परिवहन आरक्षक बन बैठा। मात्र सात साल की नौकरी में वह करोड़पति बन गया। परिवहन विभाग के अफसरों की कमाई का जरिया बना और उनकी काली कमाई को सहेजने वाला स्टाकिस्ट भी बन गया। इन दोनों शर्मा बंधुओं के पास लोकायुक्त पुलिस के साथ ही आयकर विभाग के पास से करोड़ों की नकदी मिली और करोड़ों का सोना चांदी मरामद हुआ है। लोकायुक्त से लेकर आयकर विभाग तक भ्रष्टाचार से कमाए गए अकूत धन की पड़ताल की तेजी से जांच हो रही है। यह सबको पता चल गया है कि दोनों शर्मा बंधुओं में एक आईएएस अफसरों के काले धन को बचाने और खपाने का मोहरा है तो दूसरा परिवहन आयुक्त रहे अफसरों के लिए यही काम कर रहा था। इस काले धन की नकदी और सोना चांदी की बरामदगी के साथ ही उनकी बेनामी जमीनों के दस्तावेज भी जांच एजेंसियों के हाथ लग गए हैं, लेकिन अब तक वह चेहरे सामने नहीं आए हैं जिनके कालेधन के पहरेदार शर्मा बंधु बने हुए थे। वे चेहरे उजागर होंगे या नहीं इस पर यक्ष प्रश्न बना हुआ है।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

ऐसा इसलिए कह रहा हूं कि कुछ साल पहले हमारे एक आईएएस मित्र ने कहा था कि यह नौकरशाहों का स्वर्णिम काल है। एक दूसरे अफसरे से जब आयकर छापों की बात हो रही थी तो जब मैने उससे कहा कि कई आईएएस अफसरों पर जांच की आंच आ रही है तो उसने कहा कि कितने ही छापे पड़ जाएं आईएएस और आईपीएस अफसरों का बाल भी बांका नहीं हो सकता। उस अफसर की बात में मुझे काफी दम नजर आती है। झारखंड में खनिज सचिव रही पूजा सिंघल, छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की करीबी रहीं उपसचिव सौम्या चौरसिया यह मध्यप्रदेश में अरविंद जोशी टीनू जोशी या उत्तर प्रदेश में मुख्यसचिव रहीं नीरा यादव या अखंड प्रताप सिंह जैसे बिरले उदाहरण हैं जिन्हें जेल का रास्ता देखना पड़ा हो ।
ये सारे प्रकरण तो सिर्फ कदाचार से कमाई के थे। लेकिन मप्र में मौजूदा आयकर छापे में जो बेनामी संपत्ति मिली है, वह भ्रष्टाचार के साथ ही भोपाल की आन बान और शान मानी जाने वाली बड़ी झील को सुखाने की साजिश वाली है। बड़े तालाब के कैचमेंट एरिया में आईएएस अफसरों की लॉबी ने नियम कानूनों को धत्ता बताकर कालोनी बना डाली। पूर्व मुख्यसचिव ने बिसनखेड़ी में आलीशान हवेली बनाई । फार्म हाऊस काटे। सरकारी धन से उनके घर सामने उनके उपयोग के लिए कंक्रीट की सड़क बन गई। भधभदा से सूरजनगर की सड़क तालाब को चीरकर बन गई। भदभदा से नीलबड़ तक फोर लेन सड़क भी बन गई। राजेश शर्मा और राधिका शर्मा के नाम से जो बेनामी संपत्ति खरीदी गई हैं

वह बिसनखेड़ी, बेरखेड़ी, नीलबड़, रातीबड़ और मेंडोरी गांव की है। इन सारी बेशकीमती जमीनों की रजिस्ट्री गाइड लाइन को भी काफी कम रखा गया ताकि बड़ी मात्रा में कालेधन को खपाया सके। राजेश शर्मा का इकबाल इसलिए बुलंद हुआ, क्योंकि अफसर की कृपा के चलते उसको कई खदानं मिली। कानून कायदों को ताक में रखकर मिली इन खदानों के साथ ही भोपाल शहर को खूबसूरत बनाने के लिए बोर्ड आफिस चौराहे से ज्योति टाकीज के बीच लगाई गईं सफेद कैनोपी का ठेका मिला। चौंकाने वाला पहलू यह है कि ठेका केवल एक कैनोपी का मिला। लेकिन छह महीने बाद उसी दर पर बिना टेंडर के बाकी दो कैनोपी का काम इसलिए मिला क्योंकि उसका इकबाल बुलंद था। उसका इलाहाबाद निवासी पीयूष वर्मा नाम का कर्मचारी ढाई करोड़ से ज्यादा खाकर भाग गया तो उसके खिलाफ एमपी नगर थाने में मुकदमा कायम हो गया। पुलिस ने राजेश शर्मा से यह पूछने की हिमाकत नहीं की कि यह पैसा उसके पास कहां से आया था। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि उसका इकबाल बुलंद था। इसी तरह से डाक्टर पिता की मृत्यू पर सौरभ शर्मा को परिवहन आरक्षक के पद पर अनुकंपा नियुक्ति कैसे मिल गई. यह सवाल भी कोई नहीं पूंछ रहा है। उसने चंद सालों में ही नौकरी क्यों छोड़ी इस सवाल का जवाब भी मिलना बाकी है। लोकायुक्त के पुलिस संगठन ने 17 दिसंबर को मिली शिकायत पर बगैर प्रारंभिक जांच के सीधे एफआईआर दर्ज करके उसके अरेरा कालोनी वाले घर और दफ्तर में छापेमारी करके करोड़ों का कैश तो जब्त कर लिया। लेकिन छापे के दौरान दो गाडि?ों में करोड़ों की नकदी और सोना कैसे निकल गया? क्या इसमें लोकायुक्त पुलिस के छापादस्ते की कोई मिलीभगत थी? इन दो गाडि?ों में से एक इनोवा सौरभ शर्मा के बहनोई विनय होसवानी के फार्म हाऊस पर आयकर विभाग ने छापेमरी करके पकड़ी। इसमें 52 किलो सोना के साथ आठ करोड़ मिले। लोकायुक्त छापे के बीच आयकर की कार्रवाई तब हुई जब इसमें से नकदी और सोना शिफ्ट किया जा रहा था। लेकिन इस गाड़ी की बरामदगी लावारिस हाल में बताई गई। चूंकि सौरभ शर्मा अपनी पत्नी के साथ दुबई भाग चुका है और वहां उसने संपत्ति की खरीदी है, उसमें रह रहा है। सौरभ शर्मा के राज उसके भारत में आने और गिरफ्तारी तक दफन ही रहेंगे। कुल मिलाकर सवाल यही है कि क्या माल गवांकर कालेधन के असली कुबेर अपनी जान बचाने में कामयाब हो जाएंगे या जांच एजेंसियों के हाथ उन तक पहुंचेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के न खाऊंगा न खाने दूंगा के वादे को सार्थकता प्रदान करेंगे?

आईएफएस अफसरों की सर्विस मीट में यादव ने किया रातापानी का जिक्र

सीएम ने कहा- कागज के खिलौने को सांप बताकर डराया जा रहा...

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आईएएस अफसरों के बाद अब आईएफएस अफसरों की सर्विस मीट शुरू हुई है। गौरतलब है कि पिछले साल आईएफएस सर्विस मीट की तीन बार तारीख बदली गई थी और अंततः इसे स्थगित कर दिया गया था। आज इस मौके पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने वन अफसरों को मप्र में 1.63 लाख हेक्टेयर वनों का दायरा बढ़ने पर बधाई दी और कहा कि अभी ऐसी कई चुनौतियां हैं, जिन पर काम करना है। उन्होंने रातापानी अभ्यारण्य टाइगर रिजर्व का जिक्र भी किया, जो बरसों बाद नोटिफाई हो सका है। यादव ने कहा कि कागज के खिलौने को सांप बताकर डराया जाता रहा, लेकिन ऐसा कुछ था ही नहीं। यदि राजधानी के आसपास बाघ हैं तो यह तो खुशी की बात है कि देश में एकमात्र ऐसा इलाका है जहां दिन में लोग और रात में बाघ विचरण करते हैं। अभी ऐसी कई और संभावनाओं पर भी काम करने का भी संकेत सीएम ने दिया।

खुशीलाल आयुर्वेद महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में सर्विस मीट के पहले दिन वानिकी सम्मेलन का आयोजन भी किया गया है। कार्यक्रम के शुभारंभ के बाद ग्रुप डिस्कशन शुरू हुआ है इसमें वनों की सुरक्षा और प्रबंधन को लेकर चर्चा की जा रही है। सर्विस मीट कार्यक्रम दो दिनों तक चलने वाला है। पहले दिन आज शाम कल्चरल प्रोग्राम का आयोजन किया गया है। दूसरे दिन सुबह से शाम तक भेल स्पोर्ट्स स्टेडियम में आईएफएस अधिकारी और उनके परिजन अलग-अलग खेल गतिविधियों में हिस्सा लेंगे। इसके बाद पुरस्कार वितरण किया जाएगा। सर्विस मीट के मौके पर अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक असीम श्रीवास्तव और आईएफएस अधिकारियों व परिजनों की उपस्थिति में रजा काजमी (वन और वन्य प्राणी इतिहासकार) का उद्बोधन भी हुआ। इस कार्यक्रम में आईएएस एसोसिएशन के अध्यक्ष विभाग की योजनाओं की जानकारी दी।

अधिकारियों-कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र बांटे

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज तीन विभागों के चयनित अधिकारियों और कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किये। यह कार्यक्रम रविंद्र भवन में हुआ। मुख्यमंत्री ने 362 शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इसमें कृषि विकास विभाग के 256 कृषि विस्तार अधिकारी, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के 70 सहायक पशु चिकित्सकों और राजस्व विभाग के 36 नव चयनित नायब तहसीलदारों को नियुक्ति-पत्र प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री ने युवा अधिकारियों को प्रेरित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। वहीं उन्होंने आज विश्व हिंदी दिवस के मौके पर कहा कि यह सांस्कृतिक पहचान और गौरव की प्रतीक हिंदी भाषा के वैश्विक जय घोष के विचारों को आत्मसात करने का दिन है। उन्होंने हिंदी भाषा के रूप में मिली विरासत को और अधिक समृद्ध करने के लिए संकल्पित होकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का प्रदेशवासियों से आह्वान किया है।

तेज ठंडः 17 राज्यों में कोहरा ट्रेन-फ्लाइट सभी अटके

भोपाल/नई दिल्ली, एजेंसी

देशभर में तेज सर्दी के साथ-साथ घना कोहरा भी लोगों की दिक्कत बना हुआ है। आज सुबह मप्र और उप्र समेत 17 राज्यों में घने कोहरा देखने को मिला। इस कारण कई राज्यों में विजिबिलिटी घटकर जीरो हो गई। दिल्ली में धुंध के कारण 120 फ्लाइट लेट हुईं। 4 उड़ानों को कैंसिल करना पड़ा। वहीं, कई ट्रेनें भी दिल्ली स्टेशन पर निर्धारित समय से लेट पहुंचीं। उत्तरी रेलवे ने बताया की अब तक 26 ट्रेनें लेट हैं। यूपी के सभी 75 जिलों में कोहरा छाया रहा। नोएडा में विजिबिलिटी जीरो रिकॉर्ड की गई। आगरा में ताजमहल 20 मीटर की दूरी से दिखाई नहीं दे रहा था। कानपुर सबसे ठंडा रहा जहां न्यूनतम तापमान 4.4 डिग्री पहुंचा। मौसम विभाग ने बताया कि हिमाचल प्रदेश में शनिवार-रविवार को बर्फबारी हो सकती है। उधर, कश्मीर में हो रही बर्फबारी के कारण ज्यादातर जगहों पर पारा माइनस में चल रहा है।

कोहरे से हाइवे पर भिडीं पांच कारें: उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में कोहरे का कहर है। घने कोहरे से दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर करीब आधा दर्जन व्हीकल्स आपस में टकरा गए सुबह करीब 7:30 बजे सिमरौली बॉर्डर काली नदी पुल पर घने कोहरे के कारण लखनऊ से दिल्ली जाने वाले रास्ते पर 5 गाड़ियां आपस में टकरा गईं. हादसे में घायल लोगों को अस्पताल भेजा गया है।

लॉस एंजिलिस की आग अब तक बेकाबू, कई मौतें

लॉस एंजेलिस.एजेंसी

अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया में लॉस एंजिलिस के चारों तरफ लगी आग से अब तक लगभग 10 हजार घर जल चुके हैं। 4 दिन से लगी आग में लगभग 40 हजार एकड़ में फैली हुई है। इसमें से 29 हजार एकड़ जमीन पूरी तरह जल चुकी है। आग की वजह से करीब 10 हजार इमारतों तबाह हो चुकी हैं। इसके अलावा करीब 30 हजार घरों को नुकसान पहुंचा है व मौत का आंकड़ा बढ़कर 10 हो गया है। ये लॉस एंजिलिस और आसपास में लगी अब तक की सबसे बड़ी आग है। शेरिफ रॉबर्ट लूना ने आग मची तबाही को परमाणु बम विस्फोट से होने वाली तबाही के बराबर बताया है। स्थिति को संभालने के लिए नेशनल गार्ड्स को बुला लिया गया।करीब 50 हजार लोगों को तुरंत घर खाली करने को कहा गया है। वहीं करीब 3 लाख लोगों को सुरक्षित जगह जाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने शहर में इमरजेंसी घोषित कर शनिवार तक इसके फैलने की चेतावनी दी है।

गुजरात के बुजुर्ग में HMPV वायरस

अहमदाबाद.एजेंसी

शहर में एचएमपीवी दूसरा और गुजरात का तीसरा केस दर्ज किया है। शहर के वस्त्रापुर में रहने वाले 80 साल के बुजुर्ग की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। बुजुर्ग का प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है और हालत स्थिर बताई जा रही है। बुजुर्ग को सांस लेने में तकलीफ होने की वजह से टेस्ट करवाया गया था। मरीज की कोई ट्रैवल हिस्ट्री नहीं है। इससे पहले दो बच्चे भी इस वायरस का शिकार हुए थे इनमें से एक स्वस्थ हो चुका है।

सेम सेक्स मैरिज पर सभी पुनर्विचार याचिका खारिज

नई दिल्ली.एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट में सेम सेक्स मैरिज को मान्यता देने के लिए लगाई गई पुनर्विचार याचिकाओं को खारिज कर दिया। 17 अक्टूबर 23 को सुप्रीम कोर्ट ने सेम सेक्स मैरिज को कानूनी मान्यता देने से मना कर दिया था। इस फैसले को लेकर 13 पुनर्विचार याचिकाएं लगाई गई थीं। पांच जजों की बेंच ने माना कि वह फैसला सही था। जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस बीवी नागरत्ना, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने कहा-रिकॉर्ड में कोई खामी नहीं दिखाई देती और फैसले में व्यक्त किए गए विचार कानून के अनुसार हैं और इसमें किसी तरह का हस्तक्षेप उचित नहीं है। इससे पहले ही संविधान पीठ ने कहा था कि कोर्ट स्पेशल मैरिज एक्ट में बदलाव नहीं कर सकता।

राजधानी के पास चिकलोद के जंगल की घटना

साइकिलिस्ट्स से हुआ बाघ का साक्षात्कार!

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के समीप चिकलोद के जंगल में कुछ लोगों का एक बाघ से सीधा साक्षात्कार हो गया। इसका वीडियो अब सामने आया है। खबरों के मुताबिक यह कुछ साइकिलिस्ट थे जो जंगल की सैर करने निकले ले। जब उनके सामने टाइगर आ गया तो वह करीब दो मिनट तक यहां वहां टाइगर घूमता रहा और फिर झाड़ियों में चला गया। बाघ के अचानक सामने आने से लोग सहम गए। जब टाइगर आगे ब?ा, तब वे जा सके। बाघ के मूवमेंट का वीडियो हालांकि चार दिन पुराना व संभवत- रविवार का बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो भोपाल के अवधपुरी के रहने वाले दिलीप सिंह ने बनाया है, जो साइकिलिस्ट हैं। वे ही जब अपने साथियों के साथ जंगल से गुजर रहे थे, तभी टाइगर उनके सामने आया। इनका कहना है कि यह वीडियो भोजपुर मंदिर के पीछे चिकलोद जंगल का है, जो उन्होंने बनाया। इस दिन करीब दो दर्जन लोगों का हुजूम साइकिल

से आउटिंग पर निकला था। जब अचानक सामने बाघ आ गया तो बाघ के दीदार के साथ ही भय भी हावी हो रहा था क्योंकि टाइगर कुछ फीट की दूरी पर था।

उल्लेखनीय है कि चिकलोद रेंज में कई टाइगर हैं। यह भोपाल से जुड़ा क्षेत्र है लेकिन रायसेन जिले के परिधि में आता है। बाघ के मूवमेंट के मामले यहां पहले भी सामने आते रहे हैं। करीब चार महीने पहले चिकलोद रोड बरूखार के पास बाघिन का मूवमेंट देखा जा चुका है। कई बार वन विभाग ने भी टाइगर को रेस्क्यू किया है। इधर राजधानी में कलियासोत बांध के आसपास भी बाघ कई बार देखे गये हैं। यहां भी प्रशासन लोगों को सतर्क रहने की सलाह देता रहा है। रात के वक्त बाघ के मवेशियों पर हमले की कोशिशें भी होती रही हैं।

रोड किनारे होर्डिंग को छू रहे हाईटेंशन लाइन के तार

कलेक्टर से मांगा आयोग ने जवाब

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल शहर के मिसरोद थाने के पास वाली सड़क किनारे लगे एक बड़े होर्डिंग के लोहे के स्ट्रक्चर पर से 11 केवी बिजली लाइन के तार छूते हुए गुजरने का मामला सामने आया है। मामले में संज्ञान लेकर मप्र मानव अधिकार आयोग ने कलेक्टर एवं कार्यपालन यंत्री, म.प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण क.लि. भोपाल को जांच के निर्देश दिए है।। इसके साथ ही जन सुरक्षा के लिये आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित कराकर प्रतिवेदन भी तलब किया है। आयोग के संज्ञान में आय है कि होर्डिंग के स्ट्रक्चर पर से बिजली लाइन गुजरने के कारण बिजली करंट लोहे के होर्डिंग के जरिये नीचे सड़क तक पहुंच सकता है, जिससे बड़ा हादसा होने का खतरा बना हुआ है।

बिना नल कनेक्शन क थमाया हजारों का बिल: भोपाल जिले के कलेक्ट्रेट जनसुनवाई के दौरान एक मामला सामने आया है, जिसमें लालघाटी गुफा मंदिर के पास रहने वाले एक व्यक्ति ने शिकायत की है कि उन्होंने नल कनेक्शन नहीं लिया, इसके बावजूद उसका हजारों रूपये का नल का बिल भेज दिया गया है। इस संबंध में पीड़ित ने नगर निगम के वार्ड कार्यालय से लेकर महापौर तक को शिकायत की है, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई है। मामले में आयोग ने आयुक्त, नगर निगम, भोपाल से मामले की जांच कराकर की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन 15 दिनों में मांगा है।

23 जनवरी तक होगी समर्थन मूल्य पर धान खरीदी

धान खरीदी में बालाघाट सबसे अव्वल, पांच लाख मीट्रिक टन धान खरीदी

अब तक प्रदेश में 36 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान खरीदा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

समर्थन मूल्य पर धान खरीदी में बालाघाट सबसे अव्वल है। इस जिले में 5 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा जा चुका है। इसके बाद सतना, रीवा, जबलपुर, मंडला जैसे जिलों ने सर्वाधिक धान खरीदी है। इस तरह प्रदेश भर में अब तक 37 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया है। इसके बदले किसानों को 5 हजार करोड़ से अधिक का भुगतान किया है। हालांकि खरीदी लक्ष्य से कम है।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के अनुसार 5 लाख 61 हजार 627 किसानों से 36 लाख 50 हजार 736 मीट्रिक टन धान की खरीदी की है। धान की खरीदी के लिये 1393 उपार्जन केन्द्र बनाये गये हैं। 23 जनवरी तक खरीदी की जाएगी। धान कॉमन का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 रूपये और धान ग्रेड-ए का 2320 रूपये है। किसानों के आधार लिंक्ड बैंक खातों में अभी तक 5005 करो? 21 लाख रूपये की राशि जारी कर दी है।

धान खरीदी में ये जिले अव्वल: प्रदेश के बालाघाट में 5 लाख मीट्रिक टन, सतना 3 लाख 65 हजार 232, कटनी 3 लाख 59 हजार 282, रीवा 3 लाख 16 हजार 182, जबलपुर 3 लाख 9 हजार 800, सिवनी 2 लाख 46 हजार 195, मण्डला 1 लाख 74 हजार 498, शहडोल 1 लाख 67 हजार 130, मैहर 1 लाख 44 हजार 414, नर्मदापुरम् 1 लाख 37 हजार 855, सिंगरौली 1 लाख 24 हजार 349, पन्ना 1 लाख 23 हजार 164, उमरिया 1 लाख 9 हजार 840, सीधी 1 लाख 4 हजार 139, अनूपपुर 83 हजार 107, मऊगंज 83 हजार 73, दमोह 72 हजार 128, नरसिंहपुर 66 हजार 952, डिंडोरी 53 हजार 393, रायसेन 36 हजार 617, बैतूल 36 हजार 59, सीहोर 29 हजार 809, सागर 14 हजार 192, छिन्दवाड़ा 9 हजार 581, भिंड 1325, विदिशा 1040, हरदा 960, शिवपुरी 542, मुरैना 68, अलीराजपुर 56 और झाबुआ जिले में 18 मीट्रिक टन धान की खरीदी की जा चुकी है।

इस बार विकास और विरासत की थीम पर सज रही झांकियां

गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारी, लाल परेड मैदान पर होगा मुख्य कार्यक्रम

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

आगामी 26 जनवरी को होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियां तेज हो गई हैं। जो झांकियां तैयार की जा रही हैं उनमें इस बार विरासत से विकास थीम को उभारा जा रहा है। मप्र सरकार के निर्देश पर इस तरह की झांकियां तैयार करने का काम संबंधित विभागों ने शुरू कर दिया है। विभाग प्रमुखों को कहा गया है कि वे अपने विभाग की विरासत से विकास की गाथा वाली झांकी तैयार कराकर समारोह में शामिल कराएंगे। तैयारियों से साफ है कि इस बार राजधानी के लाल परेड मैदान पर होने वाले मुख्य राज्य स्तरीय समारोह में विभिन्न विभागों की नवाचार से जु?ी योजनाओं की झलक दिखेगी। इसको लेकर मोहन सरकार ने तीन महीने पहले से तैयारी शुरू कर दी थी। संस्कृति विभाग की देखरेख में तैयार हो रही झांकियों के माध्यम से गणतंत्र दिवस समारोह में विरासत

और विकास दोनों की ही झलक दिखाई जाएगी। गणतंत्र दिवस समारोह के लिए जो झांकियां सिलेक्ट की जा रही हैं, उनमें विभागों की नवाचार योजनाओं को प्रमुखता से दिखाने पर फोकस किया जा रहा है। इसमें खासतौर पर नारी सशक्तिकरण, स्वरोजगार योजना, रातापानी अभ्यारण्य, गौ संरक्षण और संवर्धन, औद्योगिक निवेश, किसान कल्याण, सांस्कृतिक और अध्यात्मिक अभ्युदय, पर्यटन विकास के नए आयाम, पर्यावरण के लिए नव जागृति, मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान, ऊर्जा के गैर पारंपरिक स्रोत समेत शासन की अन्य नीतियों और योजनाओं पर झांकियां तैयार कराई जा रही हैं।

तय की गई थीम पर झांकियों के मामले में

संस्कृति विभाग ने प्रशासन अकादमी के महानिदेशक की अध्यक्षता में जरूरी चर्चा भी की है। इस बैठक में विभागों से मिलने वाले झांकी प्रदर्शन से संबंधित प्रस्तावों का प्रजेंटेशन किया जाकर सुझाव लिए गए। सुझावों के आधार पर समारोह में पेश होने वाली झांकी को आकर्षक बनाने का काम किया जाएगा। इसको लेकर 25 अक्टूबर को पहली और 27 दिसम्बर को दूसरे दौर की बैठक हो चुकी है।

भाजपा मेनिफेस्टो कमेटी के सदस्य रहे रिटायर्ड आईएएस चौहान सिया के चेयरमैन बनाए गए

सैक का चेयरमैन भी रिटायर्ड आईएएस श्रीवास्तव को बनाया

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

केंद्र ने मप्र के लिए एक महत्वपूर्ण प्राधिकरण और कमेटी का गठन कर दिया है। इसमें राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण (सिया) और राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (सैक) शामिल है। सिया का चेयरमैन रिटायर्ड आईएएस शिव नारायण सिंह चौहान को बनाया है। चौहान भाजपा की मेनिफेस्टो समिति के सदस्य रहे थे। इसके पूर्व उन्होंने भाजपा ज्वाइन कर ली थी। तभी कयास लगाए जाने लगे थे कि भाजपा में इन्हें बड़ा तमगा मिल सकता है। वहीं सैक का अध्यक्ष रिटायर्ड आईएएस राकेश कुमार श्रीवास्तव को बनाया है, जो कि कई बड़े पदों पर सेवाएं दे चुके हैं। सिया में एक और सदस्य डॉ. सुनंदा सिंह रघुवंशी की नियुक्ति की है जबकि एप्को के कार्यपालक निदेशक सदस्य सचिव रहेंगे। वहीं सैक में विजय कुमार अहिरवार, डॉ. राकेश कुमार पांडेय, डॉ. पल्लवी भटनागर, डॉ. सुनीता

सिंह, डॉ. सुनील मंडेरिया को सदस्य बनाया है जबकि पीसीबी के सदस्य सचिव उक्त समिति के सदस्य सचिव होंगे। सिया व सैक का कार्यकाल तीन वर्ष के लिए होगा।

अंदर खाने विरोध भी: भाजपा को जमीन पर काम करके जिताने वाले कई नेताओं इस बात का विरोध कर रहे हैं कि जब पार्टी को काम लेना हो तो जमीनी कार्यकर्ता, पदाधिकारी की याद आती है और नियुक्ति करना हो या उपकृत करना हो तो पहले से अच्छे पदों पर सेवाएं देने वालों को मौके दे दिए जाते हैं। सूत्रों के मुताबिक ये सभी नियुक्तियां राज्य की अनुशंसा पर होती है। जिसमें कद्दावर लोगों को मौके दिए जाते हैं। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि पार्टी के पास कई मामलों के विशेषज्ञ पदाधिकारी हैं, लेकिन उन्हें भी मौके नहीं दिए जा रहे हैं।

कामकाज पटरी पर लाने पटवारी ने बांटे काम

पदाधिकारियों को मिला प्रभार

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मप्र कांग्रेस करीब सवा साल बाद अब कामकाज के मामले में पटरी पर लौटती दिख रही है। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सालभर की ऊहापोह के बाद कार्यकारिणी बनाई और इसके भी महीने भर बाद कार्यकारिणी में शामिल पदाधिकारियों को काम बांटा। इससे पहले उन्होंने अपने निवास पर संगठन प्रभारी उपाध्यक्ष राजीव सिंह से चर्चा की और इसके बाद सिंह का इस्तीफा सामने आया। इस्तीफे की पेशकश करने वाले राजीव सिंह को जीतू पटवारी ने अपने पॉलिटिकल एडवाइजर की जिम्मेदारी दी है। वहीं संजय कामले संगठन प्रभारी बनाए गए हैं। पटवारी ने इलेक्शन मैनेजमेंट से लेकर पॉलिटिकल एडवाइजर, ट्रेनिंग डिपार्टमेंट, यूथ कांग्रेस, माइनॉरिटी डिपार्टमेंट, महिला कांग्रेस

और एनएसयूआई तक कुल 35 कार्यों के इंचार्ज नियुक्त किए गए हैं। राघौगढ़ से विधायक जयवर्धन सिंह को यूथ कांग्रेस का इंचार्ज बनाया गया है। वहीं हिना कांवरे को महिला कांग्रेस का इंचार्ज बनाया गया है। प्रियव्रत को प्रदेश उपाध्यक्ष के साथ ही संगठन व इलेक्शन मैनेजमेंट का इंचार्ज बनाया गया है। पूर्व मंत्री पीसी शर्मा सरकारी कर्मचारी संगठनों से कॉर्डिनेशन की जिम्मेदारी निभाएंगे। केके मिश्रा को पीसीसी चीफ का मीडिया एडवाइजर बनाया है तो जेपी धनोपिया इलेक्शन कमीशन और लीगल वर्क, आनंद राय सिविल सोसायटी आउटरीच देखेंगे। कांग्रेस के प्रशासन की जिम्मेदारी कामले की जगह गौरव रघुवंशी को दी है। पीसीसी में पहली बार ऐसा हुआ है कि संगठन में दो प्रभारी बनाए गए हैं।

30 जरूरतमंदों का कंबल वितरित

आहुजा की पुण्य तिथि पर सेवा कार्य

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

श्री गुरुकुपा सेवा समिति ने 30 जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए। सेवा कार्य समिति के सदस्य मुकेश आहुजा ने अपने भाई की श्री कैलाश आहुजा की पुण्यतिथि पर किए। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष महेश गुरबानी ने कहा कि हमारा यही प्रयास है कि जो परिवार के सदस्य हमारे बीच में से चले गए हैं उनकी याद में सदैव ऐसे सेवा कार्य किए जाते रहे जिससे उनकी आत्मा को शांति मिले और मन को सुकून मिले ताकी आने वाली पीढ़ियों को भी इस प्रकार के सेवा कार्यों की प्रेरणा मिलती रहे। आहुजा ने कहा कि अपनों की याद में इस प्रकार के सेवा कार्य करने से मन को सुकून मिलता है। इस अवसर पर समिति की उपाध्यक्ष भावना उदासी, प्रकाश विधानी मुकेश उदासी राकेश शेवानी शम्मी गंगवानी महेश जगवानी सुमित पंजवानी रवि आसुदानी उपस्थित थे। संचालन भावना उदासी ने किया।

लक्ष्मीनाराण पूजन, अभिषेक, दो फरवरी से

हिरदाराम नगर। सर्व ब्राह्मण साधु संत गौ रक्षा उत्थान समिति द्वारा 2 फरवरी को होने वाले श्री लक्ष्मीनाराण पूजन, अभिषेक आयोजन के कार्ड का विमोचन मनुआभान टेकरी मोहनानंद दंडी सेवा आश्रम में ब्राह्मणों ने किया। रघुवीर प्रसाद चौबे ने बताया कि जनकल्याण एवं सुख शांति के लिए यह आयोजन हलालपुर स्थित खाती धर्मशाला में होने जा रहा है। 2 फरवरी को विघ्नेश्वर पूजन, रूद्र अभिषेक और श्री यंत्र का अर्चन दोपहर 2 से 4 बजे तक किया जाएगा। शाम 4 बजे से 5 बजे तक हवन और महाआरती होगी। इसके बाद प्रसादी वितरण किया जाएगा। इस अवसर पर अध्यक्ष मनोज वर्मा, आचार्य पंडित रघुवीर प्रसाद चौबे, प्रणव शर्मा, सहसंयोजक डॉ संजीव शुक्ला, डॉ दिप्ती शुक्ला, डॉ. सतीश जाट आदि लोग मौजूद थे।

मेट्रो एंकर | साहित्य और सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं

साहित्य उत्सव लिटेरियो 3.0 का समापन

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

संत हिरदाराम गर्ल्स कॉलेज में तीन दिवसीय अंतर महाविद्यालयीन साहित्य उत्सव लिटेरियो 3.0 का समापन हुआ, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि लिटेरियो फेस्ट जैसे आयोजन शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए छात्रों को प्रेरित करते हैं। साहित्य उत्सव के प्रथम दिवस प्रसिद्ध कॅरियर काउंसलर एकता सरीन ने कहा कि उत्सव जीतने या हारने के बारे में नहीं है, बल्कि आलोचनात्मक सोच और संचार कौशल को निखारने के बारे में है। दूसरे दिन फ्रीलांस थिएटर आर्टिस्ट राहुल तिवारी ने कहा कि थिएटर और नुक्कड़ नाटक सामाजिक जागरूकता का सशक्त माध्यम है। नुक्कड़ नाटक सिर्फ एक कला नहीं है, यह समाज को जोड़ने और बदलाव लाने का माध्यम है।

साहित्य के प्रति रूझान रखें: समापन दिवस पर आदर्श शर्मा ने कहा कि साहित्य के प्रति रुझान को बनाए रखें और अपने लेखन में सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों को स्थान दें। उन्होंने कहा कि काव्य पाठ केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं है, बल्कि यह समाज के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता को व्यक्त करने का एक सशक्त साधन है।

यह गतिविधियां हुई: इस तीन दिवसीय लिटरीयो फेस्ट में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, वाद-विवाद, एक रोमांचक स्कैवेंजर हंट, नुक्कड़ नाटक, काव्यपाठ एवं निबंध लेखन में विभिन्न कॉलेजों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। विजयी प्रतियोगियों को प्रमाण पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान की गई।

गुरुबाणी, गीता, सुखमनी महान ग्रंथ: बाबा उदासीन

बाबा खिम्यादास उदासीन के वार्षिक उत्सव

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

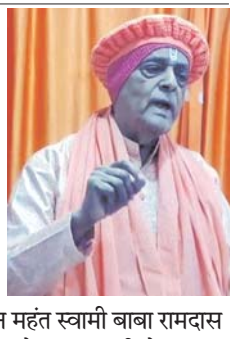

स्वामी बाबा खिम्यादास साहिब उदासीन का 58वां वार्षिक उत्सव सुखसागर उदासीन आश्रम में आयोजित किया गया। आश्रम के गदीशीन महंत स्वामी बाबा रामदास उदासीन के सानिध्य में 03 जनवरी से अखंड पाठ हुआ, जिसका समापन गुरूवार यानी 09 जनवरी आम भंडारे के साथ हुआ। सात दिवसीय वार्षिक उत्सव प्रातः काल एवं साय काल बाबा रामदास उदासीन के प्रवचन एवं सत्संग कार्यक्रम में गुरुबाणी, गीता, सुखमनी साहिब के अलावा अन्य धार्मिक ग्रन्थों पर बाबा रामदास उदासीन जी ने प्रकाश डाला। जिसका भरपूर लाभ धर्मप्रेम बंधुओं ने उठाया। इस अवसर पर गुरुमाता राधा देवी उदासीन, संतोष उदासीन, नानू उदासीन, सागर उदासीन, ऋषि उदासीन के अलावा बाबा गोबिन्द दास सेवा समिति नारायणदास सबनानी, माधू चांदवानी, लालचंद जसवानी, लीलाराम लेखवानी, मोहनलाल, गोवर्धनदास सदारंगानी, श्याम गोपलानी, तुलसी सदारंगानी, रमेश कुमार दरयानी, कपिल अंदानी, जानकीलाल, अमित सदारंगानी सहित सैकड़ो धर्मप्रेमी उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश शासन

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

देश का दिल लिख रहा विकास का नया अध्याय

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

इन्वेस्ट मध्यप्रदेश

अनंत संभावनाएँ

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट

24 25 फरवरी 2025, भोपाल

समिट की रूपरेखा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कर-कमलों से शुभारंभ

- सेक्टोरल समिट
- थीमेटिक सेमिनार
- एग्जीबिशन एंड एक्सपो
- प्रवासी मध्यप्रदेश

पंजीकरण करने के लिए स्कैन करें।
www.investmp.in

D11149/24

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

संपादकीय

अब संबंध सुधरने की उम्मीदें बढी

भारत के संबंध काफी समय से कनाडा के साथ तनातनी और कई कडवे फैसले लेने को मजबूर करने वाले रहे हैं। लेकिन हालिया घटनाक्रम के बाद यह संभावना बलवती हुई है कि अब कनाडा से भारत के संबंध फिर बेहतर हो सकेंगे। दरअसल कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आखिर काफी समय तक बचे रहने की कोशिशों के बाद सत्ताधारी लिबरल पार्टी के नेता और प्रधानमंत्री पद से इस्तीफे की घोषणा कर दी। पिछले कई महीने से वे जिस तरह के जद्दोजहद से गुजर रहे थे, नीतिगत मुद्दों पर भी एक तरह के ऊहापोह और अस्पष्टता के शिकार दिख रहे थे, उससे साफ था कि उनके सामने कई ऐसी चुनौतियां हैं, जिनका सामना कर पाना उनके लिए मुश्किल हो रहा था। एक ओर, वे कनाडा में अपने नेतृत्व के प्रति बढ़ते असंतोष, महंगाई और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों का कोई उचित हल पेश नहीं कर पा रहे थे, तो दूसरी ओर विदेश नीति के मामले में भी उनके रुख पर कई हलकों में हैरानी जताई जा रही थी। ट्रूडो के सत्ता में आने के बाद उम्मीद की गई थी कि आंतरिक मोर्चे पर नीतिगत और जमीनी स्तर पर जनता के हक में बदलाव लाने के साथ-साथ विदेश नीति के मोर्चे पर वे नए समीकरण खड़े करेंगे। मगर बीते कुछ समय से कनाडा में जैसे हालात बन रहे थे, उसमें ट्रूडो के इस्तीफे को उनकी अपनी ही स्थितियों का शिकार होने के तौर पर देखा जा रहा है। कनाडा में कुछ समय पहले हुए एक सर्वेक्षण में सामने आया था कि पहली बार जब ट्रूडो प्रधानमंत्री बने थे, तब उन्हें तिरसठ फीसद लोग पसंद करते थे, लेकिन अब उनका समर्थन करने वालों की तादाद महज अट्ठाईस फीसद रह गई है। पार्टी और सरकार के ढांचे में भी उन्हें लेकर एक तरह का द्वंद्व चल रहा था। अर्थव्यवस्था की खस्ता हालत, हर स्तर पर बेकाबू महंगाई और भ्रष्टाचार के कई मामलों पर अस्पष्ट रुख की वजह से उनकी लोकप्रियता में लगातार गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा, भारत के साथ कूटनीतिक संबंधों के मामले में शायद सिर्फ अपने आग्रहों या नाहक जिद की वजह से ट्रूडो ने लगातार हालात बिगड़ने दिए। हालत यह है कि दोनों देशों के संबंधों में सुधार का रास्ता अब सिर्फ कनाडा की सत्ता में बदलाव को ही माना जा रहा है। यह भी देखा गया या प्रतीत हुआ कि निवर्तमान पीएम ने जानबूझकर भारत के साथ संबंधों को बिगाडने की कोशिश भी की, जबकि कनाडा आबादी से लेकर वैशिव्क बिरादरी में प्रतिष्ठा तक किसी मामले में भारत के सामने कहीं नहीं ठहरता। कतिपय लोग इसे अगला चुनाव जीतने के हथकंडे की तरह देखते रहे हैं। अमेरिका का रुख भी भारत के लिये कुछ समय तक इस मोर्चे पर संशय भरा रहा। कुल मिलाकर अब तो सबसे पहले यह देखने की जरूरत है कि ट्रूडो के बाद कनाडा में सत्ता का नया समीकरण आंतरिक और विदेश नीति के मोर्चे पर क्या रुख अपनाता है। यदि यह भारत के अनुकूल रहेंगे इसकी उम्मीद सभी को है हालांकि दोनों देशों के बीच विवाद इतना कडवाहट भरा रहा है कि इसे सुधरने में कुछ वक्त लग सकता है, लेकिन यह जरूरी भी है क्योंकि भारतीयों की बडी संख्या कनाडा में है।

विदेशों में भारतीय गिरमिटियों द्वारा विकसित हिन्दी एवं संस्कृति

■ प्रवीण गुगनानी

हमारे प्रिय पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयीजी ने कभी कहा था, हम भारतीय विश्व में जहाँ भी जाते हैं, अपने साथ एक छोटा सा भारत लेकर जाते हैं। इस गर्वोक्त करने वाली पंक्ति में एक अर्थ यह भी निहित ही है कि, हमारे हृदय में बसा हुआ यह भारत ही हमें विभिन्न विदेशी समाजों के दूध में शक्कर की भाँति घुलने की चिर प्रवृत्ति भी देता है। भारत के हिन्दी भाषी ग्रामीण क्षेत्रों से इन देशों में गए हुए ये गिरमिटिये अपने साथ अपनी कपड़ों की गठरी में श्रीरामचरितमानस, हनुमान चालीसा, सत्यनारायण की कथा, देवी-देवताओं के चित्र मंगलसूत्र, सिंदूर-टिकुली, पाजेब, करधनी, (भले ही वह चाँदी की नहीं बल्कि गोटे की बनी हुई हो) तीज-त्योहार में उपयोग आने वाला सामान आदि सभी कुछ साथ रख लेते थे।

गिरमिटिया मजदूर, अनुबंधित या ठेका मजदूर होता तो कुछ और बात थी, वस्तुतः तो ये गुलाम ही हुआ करते थे। 'इंडेंचर्ड लेबर' या गिरमिटिया मजदूर जिन्हें अंग्रेजों ने कभी 'गोल्डन लैंड' का मनमोहक स्वप्न दिखाकर, तो कभी डरा-धमकाकर, भयभीत करके, कोर्ट कचहरी, भूमि जब्त कर लेने की धमकी देकर जबरन अपने गुलाम देशों में श्रमिक के रूप में भेजा। इस प्रकार गए हुए ऐसे भारतीय मजदूर जो उन कथित 'गोल्डन लैंड्स' में जाकर जीवन अपने देश लौटने का किराया भी नहीं जुटा पाये और बेबस होकर वहीं मर-खप गए। गुयाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, सूरीनाम, जमैका, फिजी, मॉरीशस, मलेशिया, फिजी, दक्षिण अफ्रीका के युगांडा, केन्या, तंजानिया जैसे कुछ अन्य देशों में आज इन्हीं भारतीय गिरमिटियों के वंशज अपने श्रम, लगन, ध्यान, देशप्रेम, से भारतीय संस्कृति की ध्वजा फहरा रहें हैं। हमें बड़ा गौरव भान होता है कि इन देशों में ये कभी दीन-हीन रहे ये भारतीय गिरमिटिया मजदूर कितने ही अभावों में रहें हों, कितनी ही भूख से मर-मर गयें हों किंतु अपराधी नहीं बने। गिरमिटिया मजदूरों के वंशजों ने इन देशों में अपने श्रम से अपनी आर्थिक, सामाजिक, शैक्षिक, नैतिक, राजनैतिक आधारपीठ का निर्माण कर लिया है। उपरोक्त सभी देशों में गए हुए भारतीय गिरमिटिए, वहाँ समरस हो गए हैं। अलगाव या देशविरोधी भाव तो इन्हें छू भी नहीं गया है।तथाकथित सभ्य अंग्रेजों ने ज्ञात रूप से 1.2 मिलियन और अज्ञात रूप से, न जाने कितने लाख विवश-बेबस भारतीयों को अपने उन्नीस ग़ुलाम देशों में जबरन भेज दिया था। यह मानवता के प्रति कथित 'जेंटलमैन अंग्रेजों' का अपराध था। 1917 में बड़े विरोध के बाद ब्रिटिशर्स ने इस अपराध श्रृंखला को रोका था, तब तक लाखों भारतीय परिवार हजारों किमी दूर उन अंग्रेजी कालोनियों से स्वदेश लौटने हेतु तड़प रहे थे।

हमें गर्व है कि निपट अशिक्षित (अंग्रेजी प्रपंची शिक्षा से), विपन्न, साधनहीन भारतीय गिरमिटिया मजदूरों के वंशज, अपनी सामाजिकता के बल पर इन देशों में प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, मंत्री, गवर्नर, प्रशासक, न्यायाधीश, उद्योगपति, बिजनेस टायकून, कंपनी कार्पोरेटर, साहित्यकार, एकेमेडिशियन्स, प्रेरक संत आदि-आदि के रूप में अपनी छटा बिखेर रहे हैं। हजारों किमी दूर के इन देशों में जहाँ कभी भारतीयता का नाम भी नहीं था वहाँ प्रतिवर्ष सभी भारतीय उत्सव बड़े ही उल्लास व उत्साहपूर्वक मनाये जाते हैं। सबसे बड़ी बात, इन सभी देशों में 'भारतीय आगमन दिवस' का आयोजन भी होता है जिसमें उन देशों के सत्ताधीश, राजनयिक, आर्थिक हस्तियां, साहित्यकार, धर्मगुरु आदि उपस्थित रहते हैं। प्रमुखतः उत्तरप्रदेश, बिहार के ग्रामीण अंचलों से ले जाये गए ये गिरमिटिये अपने साथ अपनी लोक संस्कृति भी ले गए थे। कितने सांस्कृतिक आग्रह, कितने देशज प्रण, कितनी जिजीविषा और कितनी जीवटता रही होगी इन गिरमिटियों में कि गुलामी भरे जीवन में भोजन के स्थान पर अंग्रेजों के कोड़े खाते हुए भी ये इन देशों में अपनी संस्कृति को नहीं भूले हैं। अपने लोकगीत, लोकनृत्य, लोकभाषा, रामचरितमानस, पहनावे, बोली आदि को ये आज लगभग दो सौ वर्षों बाद भी जीवंत बनाए हुए हैं। इन देशों में धान, तमाखू और गन्ने की बुआई-कटाई-दराई करते समय, वैवाहिक प्रसंगों में, त्यौहारों में गाये जाने वाले गीत और कथाएँ आज भी गूँजती रहतीं हैं। घोर आश्चर्य होता है यह जानकर की कि एक विपन्न, प्रताड़ित, उत्पीड़ित भारतीय गिरमिटिया समाज यह सब करने में सफल हो पाया है। गुलामी भी ऐसी थी कि ये विवाह करेंगे या नहीं, करेंगे तो कब करेंगे, विवाह के बाद संतान को जन्म देंगे या नहीं; ये सभी कुछ अंग्रेज ही तय किया करते थे। अंग्रेजों की अनुमति के बिना गर्भधारण करना भी जहाँ अपराध हो वहाँ के उत्पीड़न की स्थिति को सरलता से समझा जा सकता है।

बनारसीदास चतुर्वेदी, गिरिराज किशोर के मानक गिरमिटिया साहित्य का तो अपना ही एक उच्च स्थान है ही। गिरमिटियों की व्यथा को व्यक्त करते हुए ही मॉरिशस के लेखक अभिमन्यु अनत ने अपनी 'लाल पसीना' में लिखा - ''जिस दिन गोरे सरदारों की ड्यूटी बदली जाती केवल उस दिन ही सारे भारतीय मजदूर खुलकर बातें कर पाते थे। मॉरिशस के मुनीश्वरलाल चिंतामणि लिखते हैं - उस आदमी से जाकर कहो कि मेरी हिंदी भाषा ऐसी सुंदर है कि उसने मेरी संस्कृति को अब भी बचाये रखा है। बाद में हमारी हिन्दी ने इन देशों की स्थानीय भाषाओं के साथ एक नए प्रकार की बोली, भाषा व रचनाओं का सुंदर नव संसार रचा। इन देशों में बसे हुए उत्तरप्रदेशी, मगही, बिहारी, मैथिली, भोजपुरी बंधु आज भी अपनी भाषा में साहित्य रचते हैं व बोलचाल में प्रासंगिक बनाए हुए हैं। साहित्यकार दीपचंद बिहारी, रामदेव धुरंधर, वेणी माधव, रामखेलावन, भानुमति राजदान, पुजानंद नेमा, केशवदत्त चिंतामणि और राज हीरामन, अभिमन्यु अनत आदि ने गिरमिटिया साहित्य का एक दिव्य संसार रचा है। मॉरिशस के लोकप्रिय रचनाकार अभिमन्यु अनत गिरमिट भोजपुरिया गर्वोक्त होकर कहते हैं - हम भोजपुरी जानी ला, बोली ला, बूझी ला, त अंग्रेजी में काहे के गिटर-पिटर करी 7 आज भी गिरमिटिये बंधु अपने देशज लोकगायन में विरह-गीत, बारह-मासा गीत, ऋतु-गीत, पर्व-त्यौहार गीत मौके-बेमौके गाते-गुनगुनाते रहते हैं। ऐसा ही एक गीत है - हमरा से दिलवा तोर के विदेशवा गईल ये राजा जी। विदेशवा गईल ये राजाजी, निर्मोहिया भईल ये राजाजी।।

इन पूर्व अंग्रेज औपनिवेशिक देशों में हिन्दी भाषा के संदर्भ में लिखते हुए सोमदत्त बखोरी लिखते हैं -भाषा की लड़ाई में ऊँचा किया नाम अपना और देश का ऊँचा किया नाम अपने पूर्वजों का और उनके देश का।

इस गिरमिटिया साहित्य के क्रम में ही रघुवीर नारायण ने यह कालजयी बटोहिया लिखा- सुंदर सुदूर भूमि भारत के देसवा रे,मोरे प्रान बसे हिमखोह रे बटोहिया, जाउ जाउ भैया बटोहिया हद देखि आउ, जहां रिसी चारों वेद गावे रे बटोहिया।

अभिमन्यु अनत लिखते हैं - आज अचानक हिंद महासागर की लहरों से तैरकर आई गंगा की स्वर-लहरी को सुन फिर याद आ गया मुझे वह काला इतिहास उसका बिसारा हुआ वह अनजान अप्रवासी... बहा-बहाकर लाल पसीना वह पहला गिरमिटिया इस माटी का बेटा जो मेरा भी अपना था, तेरा भी अपना।

गिरमिटिया साहित्य के उल्लेख तोताराम सनाढ्य का नाम तो परमावश्यक है। तोताराम जी ने इक्कीस वर्षों पश्चात् फिजी के गिरमिटिया जीवन से मुक्ति होकर, भारत लौटने पर इस अंग्रेजों के इस अत्याचारी काले अध्याय से समूचे भारत को परिचित कराया। उनके लेखन से ही अंग्रेजों के विरुद्ध स्वतंत्रता संघर्ष में एक अध्याय 'गिरिमिटिया प्रथा समाप्ति' जुड़ गया था। जितेंद्र कुमार मित्तल की 'मॉरिशस देश और निवासी', मुनिश्वर लाल चिंतामणि की पुस्तक 'मॉरिशसीय हिंदी', जोगिंदर सिंह कँवल की पुस्तक 'सात समुंदर पार', कृष्णलाल बिहारी की पुस्तक 'पहला कदम' भी गिरमिटिया संदर्भ में परिपूर्ण साहित्य है। विश्व हिन्दी दिवस पर गिरमिटिया साहित्य का उल्लेख केवल साहित्य का नहीं अपितु स्वमेव ही मानवीयता का उल्लेख हो जाता है।

(साभार : लेखक विदेश मंत्रालय भारत सरकार में राजभाषा सलाहकार।)

तिब्बत का भूकंप उत्तर भारत के लिए चेतावनी

■ जयसिंह रावत

नए साल के पहले ही सप्ताह तिब्बत के शिगात्से क्षेत्र में लगभग 7 परिमाण का भूचाल आता है और उसके भय के झटके उत्तर भारत और खास कर हिमालयी राज्यों में महसूस किए जाते हैं। यह भूकंप उत्तर भारत और खास कर हिमालयी राज्यों के लिए एक चेतावनी है। भूकंप का खौफ हिमालयी राज्यों में इसलिए ज्यादा है क्योंकि, भूकम्पीय संवेदनशीलता की दृष्टि से यह क्षेत्र जोन पांच और जोन चार में आता है, जिसे सर्वाधिक संवेदनशील माना जाता है। भूकंप वैज्ञानिक पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि नेपाल को छोड़ कर हिमालयी भारत में पिछले 100 साल से अधिक समय से 8 अंक परिमाण का बड़ा भूकंप नहीं आया, जिस कारण धरती के अंदर बहुत अधिक भूगर्वीय ऊर्जा जमा हो चुकी है जो कि किसी भी समय बहुत ही भयंकर भूकंप के साथ बाहर निकल सकती है।भूगर्वीय ऊर्जा का यह विस्फोट या भूचाल रिक्टर पैमाने पर 8 अंक या उससे अधिक परिमाण का हो सकता है जो कि बहुत ही विनाशकारी हो सकता है। चूंकि इसे रोका नहीं जा सकता, इसलिये सावधानी और सतर्कता और जागरूकता में ही सुरक्षा की गारंटी निहित है।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केन्द्र की वेबसाइट पर अगर नजर डालें तो उसमें अकेले 8 जनवरी के दिन सिक्किम में 2.8 से लेकर 4.9 परिमाण तक के 24 भूकंपो के रिकार्ड किए जाने का उल्लेख है। 7 जनवरी को भी इतने ही भूकंप सिक्किम में दर्ज हुए थे। इस साल पहली जनवरी से लेकर 8 जनवरी तक मणिपुर, हिमाचल प्रदेश के डोडा, मध्य प्रदेश के सिंगरौली और गुजरात के कच्छ आदि में दर्जनों भूचाल दर्ज हो गए। लोकसभा में 6 दिसम्बर 2023 को पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरन रिजजू द्वारा दिये गए एक वक्तव्य के अनुसार उत्तर भारत और नेपाल में आने वाले भूकंपों की संख्या निरन्तर बढ़ती जा रही है और इसका मुख्य कारण पश्चिमी नेपाल में अल्मोड़ा फॉल्ट का सक्रिय होना है। वैज्ञानिक पहले ही एमसीटी जैसे भ्रंशों के आसपास खतरे की चेतावनी देते रहते हैं।

भारत का हिमालयी क्षेत्र सदैव अपनी भूगर्वीय रचना के कारण भूकंप से अत्यधिक

प्रभावित रहा है और यहाँ के निवासियों को अक्सर भूकंप के खतरों का सामना करना पड़ता है। विदित ही है कि हिमालयी क्षेत्र भौतिक दृष्टि से पृथ्वी की सबसे संवेदनशील जगहों में से एक है। हिमालय को सबसे युवा और नाजुक पहाड़ माना जाता है। यह क्षेत्र यूरेशियाई और भारतीय प्लेटों के बीच स्थित है, जहां दोनों प्लेटें एक-दूसरे से टकराती हैं। यह टक्कर ही भूंकप के मुख्य कारणों में से एक है।

भूगर्वीय इतिहास के अनुसार भारतीय उपमहाद्वीप मूल रूप से एक द्वीप था जो लगभग 50 मिलियन वर्ष पहले एशिया के साथ टकराया और इस प्रक्रिया में हिमालय का निर्माण हुआ। इस टक्कर के कारण पृथ्वी की सतह पर तीव्र दबाव और तनाव उत्पन्न हुआ, जो अब भी भूकंपन का कारण बनता है। भारतीय और यूरेशियाई प्लेटों की टक्कर निरंतर जारी है और इसके परिणामस्वरूप बड़ी मात्रा में भूगर्वीय ऊर्जा उत्पन्न होती है, जो अचानक भूकंप के रूप में पृथ्वी की सतह को हिलाती है।

हिमालयी क्षेत्र अत्यधिक ऊंचाई पर स्थित है, जहाँ भूमि की संरचना में लगातार परिवर्तन हो रहा है। भूकंप के झटके इन पहाड़ों की संरचना में उथल-पुथल पैदा करते हैं। पहाड़ी इलाकों में खनन, जलविद्युत परियोजनाओं, और अन्य निर्माण गतिविधियां भी भूकंपीय गतिविधियों को उत्तेजित कर सकती हैं। इन गतिविधियों से भूमि के भीतर दबाव बढ़ता है, जिससे भूकंप के झटके महसूस हो सकते हैं। उत्तराखंड और हिमालयी क्षेत्र में पिछले लगभग 100 वर्षों से अधिक समय से कोई बड़ा भूकंप (8.0 तीव्रता का) नहीं आया है। हिमालय क्षेत्र में आखिरी बार 8.0 तीव्रता का बड़ा भूकंप 1934 (नेपाल-बिहार भूकंप) और 1950 (असम भूकंप) में आया था। यह स्थिति ''सेस्मिक गैप'' कहलाती है। भूविज्ञानियों के अनुसार इस गैप के कारण बड़ी मात्रा में भूगर्भीय ऊर्जा संचित हो रही है। इस ऊर्जा के लंबे समय तक रिलीज न होने से भविष्य में बड़े भूकंप की संभावना बढ़ गयी है।

ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में देखा जाय तो 1803 में गढ़वाल भूकंप आया था जिसकी तीव्रता 7.5 से अधिक थी और इसने व्यापक तबाही मचाई थी। उसके बाद गढ़वाल में भयंकर अकाल पड़ा। इसके बाद 1905 में कांगड़ा भूकंप आया जिसकी तीव्रता 7.8, थी उसने भी हिमालय क्षेत्र में बड़ी तबाही मचाई। सन् 1950 के असम-तिब्बत भूकंप की तीव्रता 8.6, थी। यह हिमालय में दर्ज सबसे बड़ा भूकंप था, लेकिन उत्तराखंड इससे बचा रहा।

उत्तराखंड के गढ़वाल और कुमाऊं क्षेत्र लगभग 100 वर्षों से बड़े भूकंप से अछूते हैं, जिससे वैज्ञानिक मानते हैं कि इस ''सेस्मिक गैप'' के कारण इतनी भूगर्वीय उर्जा संचित हो चुकी है कि जो एक साथ बाहर किल गयी तो कई परमाणु बमों से अधिक विध्वंशकारी हो सकती है। इसलिये भविष्य के खतरों को देखते हुए, भूकंप-रोधी तकनीकों का उपयोग और आपदा प्रबंधन की तैयारियां अत्यंत आवश्यक हैं।हालांकि भूकंप एक प्राकृतिक घटना है जिसे रोका नहीं जा सकता।

यही नहीं भूकंप का पूर्वानुमान करना फिलहाल संभव नहीं है। इससे बचने का सबसे बड़ा उपाय प्रकृति के साथ जीना सीखना ही है। भूकंप किसी को नहीं मारता है। मारने वाला हमारा घर या भवन होता है जिसे हम अपनी सुरक्षा और सुविधा के लिये बनाते हैं। अगर भवन का ढांचा भूकंप रोधी बने तो जानमाल का नुकसान कम किया जा सकता है। इसके लिये हमें जापान से सबक सीखना चाहिए। भारत सरकार ने ''भारतीय मानक 1893'' जैसे निर्माण मानकों को लागू किया है, जो भूकंप-रोधी संरचनाओं के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसके अलावा विभिन्न वैज्ञानिक शोधों के माध्यम से कुछ भूकंपीय गतिविधियों का पूर्वानुमान किया जा सकता है। इसके लिए उपग्रहों और अन्य आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है।

भारत में भूकंपीय नेटवर्क को मजबूत करना और इससे जुड़ी चेतावनी प्रणालियों को विकसित करना महत्वपूर्ण है। भूकंप की स्थिति में नागरिकों को किस तरह से प्रतिक्रिया करनी चाहिए, यह जानना अत्यधिक आवश्यक है। स्कूलों, कार्यालयों और समुदायों में भूकंप सुरक्षा को लेकर नियमित प्रशिक्षण और अभ्यास आयोजित करना चाहिए। इसके अलावा, भूकंप-रोधी किट्स जैसे पानी, भोजन, प्राथमिक चिकित्सा सामग्री और अन्य जरूरी सामान को तैयार रखना चाहिए। हिमालयी क्षेत्रों में सड़कों, पुलों और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की मजबूती को बढ़ाना चाहिए, ताकि भूकंप के दौरान इनका गिरना या क्षतिग्रस्त होना कम हो। साथ ही, पुराने ढाँचों की मरम्मत और पुनर्निर्माण पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

निराशा में प्रतीक्षा अन्धे की लाठी है
- प्रेमचन्द

आज का इतिहास

- 2020- सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर प्रशासन से संविधान के अनुच्छेद 370 के खात्मे के बाद लगाए गए प्रतिबंधों की एक हफ्ते के अंदर समीक्षा करने को कहा।
- 2020- केंद्र ने नागरिकता संशोधन एक्ट के लिए एक अधिसूचना जारी की। इसके अनुसार, भारत में 31 दिसंबर, 2014 तक आए हिंदू धर्म, जैन धर्म, पारसी धर्म, सिक्ख धर्म, ईसाई धर्म और बौद्ध धर्म के अल्पसंख्यक भारतीय नागरिकता हासिल कर सकेंगे।
- 2013- पाकिस्तान में कई बम धमाकों में 100 लोगों की मौत, 270 लोग घायल।
- 2010- भारतीय मूल के अमेरिकी फूड सिक्युरिटी एक्सपर्ट राजीव शाह ने अमेरिका के विदेश मंत्रालय के अधीनस्थ संस्था यूएस एजेंसी फॉर इंटरनैशनल डिवेलपमेंट (यूएसएआईडी) के प्रमुख की ज़िम्मेदारी संभाली। इसके साथ ही वह बराक ओबामा प्रशासन में सर्वोच्च पद संभालने वाले भारतीय बन गए।
- 2009- अशोक कजारिया ने पीएचडी चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री का वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद सम्भाला।
- 2008- कार निर्माण की अग्रणी आटोमोबाइल कंपनी टाटा मोटर्स ने एक लाख रुपये वाली कार नैनो पेश किया।
- 2006- प्रधानमन्त्री मनमोहन सिंह ने 10 जनवरी को प्रति वर्ष विश्व हिन्दी दिवस के रूप मनाये जाने की घोषणा की।
- 2002- ब्रिटिश पीएम टोनी ब्लेयर पाक पहुँचे, इस्त्रायल के विदेश मंत्री शिमोन पेरेज 3 दिनी यात्रा पर भारत आए, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद व नाटो में भारत की सदस्यता का पेरेज ने समर्थन किया।

निशाना

है अंदर ये रार !

-कृष्णेन्द्र राय

कौन बनेगा दूल्हा ?
है अंदर ये रार ।।
अंदरखाने लगता है ।
हैं सब खबरदार ।।
आई बात निकल कर ।
किसको ये सौगात ?
शुरू हुआ है मंथन ।
सब लगे दिन रात ।।
वर्तमान में लेकिन ।
है बदला व्यवहार ।।
धीरे धीरे बैठकें भी ।
हैं लेनी आकार ।।
रुठना मनाना भी ।
चले शायद खेल ।।
आ रहा शिगूफा ।
खा रहा सब मेल ।।

कॉंलेज चलो अभियान की बैठक में विभिन्न महाविद्यालय के प्राचार्य ने सहभागिता की

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में गुरुवार को कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत एमपी ऑनलाइन के संभागीय अधिकारी आशीष मिश्रा एवं एमपी ऑनलाइन संचालकों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में लगभग 20 कियोस्क संचालकों एवं जिले के विभिन्न महाविद्यालय के प्राचार्यों ने सहभागिता की। प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि पिछले वर्ष संपूर्ण जिले में प्रथम वर्ष के प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या कम हुई है। इसलिए पिछले वर्ष की कॉलेज चलो अभियान में जो हमारे स्तर पर कमियां हुई उन्हें पूरा करने हेतु प्रयास किया जा रहा है। पिछले वर्ष अभिभावकों और एमपी ऑनलाइन संचालकों से संपर्क नहीं हो पाया

था। इस वर्ष उनसे संपर्क कर प्रवेश प्रक्रिया से अवगत कराया जा रहा है। प्राचार्य ने मध्य प्रदेश शासन का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस वर्ष उचित समय पर इस अभियान की शुरुआत की गई। साथ ही उन्होंने कलेक्टर एवं जिला शिक्षा अधिकारी का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग से ही यह अभियान सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है। एम.पी. ऑनलाईन संभागीय अधिकारी आशीष मिश्रा ने अपने उद्बोधन में बताया कि वर्तमान में लगभग 500 कियोस्क सेंटर कार्यरत हैं जो प्रवेष प्रक्रिया में शामिल होंगे। उनके द्वारा कस्टमर केयर नंबर की जानकारी भी दी गई इससे कोई भी छात्रा प्रवेश संबंधित समस्या की जानकारी दे सकती है। उन्होने आईएसएमएस पर कालेज रेजिस्ट्रेशन की भी जानकारी दी गई। कियोस्क सेंटरो का वाट्सएप्प ग्रुप भी बनाया गया जिसमें भविष्य में प्रवेश संबंधी जानकारी दी जायेगी। इस अभियान के अंतर्गत डॉ. भूपेंद्र चौकसे से पंच, सरपंच एवं सचिव की सूची प्राप्त कर उनसे संपर्क किया जा रहा है। साथ ही महिला बाल विकास अधिकारी ललित डहेरिया से आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सूची मोबाइल नंबर सहित प्राप्त की जा रही है। साथ ही वरिष्ठ एवं भूतपूर्व छात्राओं द्वारा भी इस अभियान में सहयोग लिया जा रहा है। इस अभियान की नोडल अधिकारी डॉ. रश्मि श्रीवास्तव ने कॉलेज चलो अभियान के चरणों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही कॉलेज में चलने वाले मेजर माइनर ओपन इलेक्टिव एवं स्वामी पाठ्यक्रम और उनके प्रवेश शुल्क की जानकारी दी।

आगामी पर्वों की व्यवस्थाओं को लेकर शांति समिति की बैठक में हुई चर्चा, सुझाव दिए गए

नर्मदापुरम। आगामी त्यौहारों पर कानून व्यवस्था के संबंध में गुरुवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर सोनिया मीना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शांति समिति के सदस्यों द्वारा आगामी पर्वो पर आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई एवं सुझाव दिए गए। बैठक में राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, विधायक नर्मदापुरम डॉ सीतासरन शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमति नीतू यादव, म प्र तैराकी संघ के अध्यक्ष पीयूष शर्मा, पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह, अपर कलेक्टर डी के सिंह, आचार्य गोपाल प्रसाद खड्डर, अनोखी लाल राजोरिया, फैजल उल हक, शहर काजी हाफिज अशफाक, मनोहर बड़ानी, हंस राय, सागर शिवहरे, आदि सहित सिटी मजिस्ट्रेट बृजेन्द्र रावत, एसडीओपी पराग सैनी, डीएसपी ट्रैफिक संतोष मिश्रा, सीएमओ नगरपालिका श्रीमती हेमेश्वरी पटले, डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट राजेश जैन, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्रीमती निशा चौहान सहित अन्य शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

कुंडा घाट पर रपटे के लिए निरीक्षण, स्कूलों ओर शिविर में देखी व्यवस्था

इटारसी। गुरुवार को अनुविभागीय अधिकारी टी प्रतिक राव द्वारा शहर के विभिन्न स्थलों स्कूलों इत्यादि का निरीक्षण किया गया साथ ही राजस्व महा अभियान 3.0 अंतर्गत मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर का निरीक्षण किया गया। एस डी एम टी प्रतिक राव द्वारा नगर पालिका अध्यक्ष इटारसी पंकज चौरे के साथ बी ओ टी परिसर का निरीक्षण किया इसके बाद बैल बाजार का भी निरीक्षण किया गया अबसार हुसैन ने आवेदन देकर मेहरागावं नदी पर रपटा बनाने की मांग की थी जिसपर एस डी एम टी प्रतीक राव ने नदी मोहल्ले के कुंडा घाट का निरीक्षण किया है, जिस पर नदी मोहल्ले के रहवासियो ने नदी पार करने में आने वाली समस्यायो से अवगत कराया,निरीक्षण के बाद श्री राव द्वारा शासकीय अस्पताल इटारसी के सभी वार्डो का एवं ओपीडी का निरीक्षण करते हुए अधीक्षक शासकीय अस्पताल इटारसी को आवश्यक निर्देश दिए गए । विश्राम ग्रह के सामने स्थित शासकीय स्कूल के निरीक्षण में मध्यान भोजन की भी जांच की एवं स्कूल के बच्चों के साथ भोजन ग्रहण किया एवं बच्चों से संवाद कर बच्चों से सवाल जवाब प्रतियोगिता की गई एवं उनके द्वारा सही उत्तर देने पर उन्हें पुरस्कृत भी किया गया।

जिला खनिज ने अवैध उत्खनन एवं परिवहन करते वाहन जप्त किए

नर्मदापुरम। जिला खनिज अधिकारी दिवेश मरकाम ने बताया कि अवैध उत्खनन/परिवहन/भण्डारण के विरूद्ध खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सम्पूर्ण जिले में कार्यवाही जारी है। खनिज विभाग द्वारा 06 जनवरी को ग्राम-सोयत, तह. सिवनीमालवा से डम्पर क्रमांक आर. जे. 37 जी. ए.9406 को मिट्टी खनिज का अवैध उत्खनन/परिवहन करते हुए जप्त कर पुलिस थाना सिवनी मालवा की अभिरक्षा में रखा गया है। 07 जनवरी को इटारसी रामपुर रोड़ से 04 वाहन को ओवरलोड परिवहन करते हुए जप्त कर पुलिस थाना रामपुर गुर्रा की अभिरक्षा में रखा गया है तथा माखननगर रोड़ ग्रीन पार्क ढाबा के पास से डम्पर क्रमांक आर.जे. 17 जी. ए. 9783 एवं डम्पर क्रमांक आर. जे.17 जी. बी. 5761 को रेत खनिज का ओवरलोड परिवहन करते हुए जप्त कर आर.टी.ओ. परिसर नर्मदापुरम में सुरक्षार्थ रखा गया है। उक्त कार्यवाहियों में दिवेश मरकाम, जिला खनि अधिकारी पिंकी चौहान, खनि निरीक्षक कृष्णकांत सिंह परस्ते, प्र. खनि निरीक्षक, होमगार्ड एवं पुलिस बल उपस्थित रहा। उक्त जप्त वाहनों के विरूद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत कार्यवाही की जा रही है।

चाइनीस मांजा प्रतिबंधित करने की मांग

इटारसी। सामाजिक कार्यकर्ता मनीष ठाकुर ने थाना प्रभारी गौरव बुंदेला की चाइनीस मांजे दुकानदारों के बिक्री पर रोक लगाने के लिए ज्ञापन दिया है, ज्ञापन में चाइनीस मांजे विक्रय करने बालो पर होगी कार्यवाही हो ओर मांजा जब्त हो। मनीष ठाकुर ने कहा कि शासन द्वारा एवम नर्मदापुरम कलेक्टर दवाई प्रतिबंधित चाइनीस मांझा जो की बाजार क्षेत्र में बिक रहा है, एवं इसके विक्रय से इटारसी शहर में इस चाइनीस मांजे के कारण एक बड़ा हादसा भी हो गया है। यह चाइनीस मांजा जानलेवा है एवं मकर संक्रांति का पावन पर्व आ रहा है इस पर लोग पतंग उड़ाते हैं जिसमे चाइनीस मांझा का उपयोग ना हो इसके लिए हम सब मिलकर जागरूकता अभियान तो कर रहे हैं किंतु प्रशासन से निवेदन है कि वह जिन दुकानों पर इसकी विक्री हो रहा है उन्हें जप्त कर विक्रय पर प्रतिबंध करें ।इस मामले में थाना प्रभारी श्री बुंदेला ने कहा कि कल से ही हम एक अभियान चलाएंगे एवं चीनी मांजे को जप्त करेंगे एवं कार्रवाई कर स्कूल और कॉलेज में जागरूकता अभियान भी पुलिस द्वारा चलाया जाएगा।

45 वाँ स्थापना दिवस मनाया

इटारसी। शहर के मालवीयगंज में आजाद पंजा चौराहा का 45 वाँ स्थापना दिवस, आजाद पंजा चौराहा समिति एवं मोहल्ले वासियों ने मिलकर मनाया। 45 वर्ष पूर्व 9 जनवरी 1980 में आजाद पंजा चौराहा की स्थापना रमेश सोनकर के द्वारा की गई थी। कार्यक्रम के दौरान आजाद पंजा चौराहे के स्थापक वरिष्ठ कांग्रेसी एवं समाजसेवी स्वर्गीय रमेश सोनकर को याद किया गया एवं उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित किए दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर चौराहे की साजसज्जा की मिष्ठान वितरण, आतिशबाजी भी की गईं । सन् 1980 से 2024 तक के चौराहे के चित्र को फ्लेक्स के माध्यम से प्रदर्शित किया गया।

भारतीय किसान संघ का आंदोलन 13 को

इटारसी। भारतीय किसान संघ द्वारा 13 जनवरी को गुर्रा तिराहे पर आंदोलन किया जाएगा । तहसील प्रवक्ता नरेन्द्र गौर नें बताया कि सिलारी से गुर्रा रोड जोकि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनांतर्गत निर्मित है उसका निर्माण कार्य बंद है ठेकेदार द्वारा लापरवाही की जा रही है उस कार्य को पुन प्रारंभ करानें, किसानों के खेत पहुंच कांदई-गुर्रा गोहे के मार्ग के निर्माण करानें एवं उक्त सिलारी-गुर्रा मार्ग पर निर्मित पुलिया की ऊंचाई अत्यधिक कम होनें से बाढ़ का पानी आ जाता है,जिससे लगभग 10 गांवों के 5000 हजार किसान प्रभावित है।

आनंद उत्सव 14 जनवरी को

नर्मदापुरम। मध्य प्रदेश शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग भोपाल के निर्देशानुसार 14 जनवरी से 28 जनवरी 2025 तक समस्त मध्य प्रदेश के साथ-साथ जिला नर्मदापुरम के सभी विकास खंडों में आनंद उत्सव का आयोजन किया जाना है। आनंद विभाग के संभाग और जिला कार्यक्रम समनव्यक एवं मास्टर ट्रेनर सुमन सिंह ने बताया कि यह उत्सव लोगों को आनंद की अनुभूति दिलाने के लिए आयोजित किया जाता है, जिसमें कबड्डी, कुर्सी दौड़, चम्मच दौड़, रस्सी ऊंची कूद, बोरा दौड़ एवं अन्य पारंपरिक खेलों के साथ साथ सांस्कृतिक गतिविधियों को शामिल किया जाता है।

87.98 लाख की लागत के कार्यो का किया भूमिपूजन एवं लोकार्पण

मंत्री लोधी बोले गरीबों के कल्याण के कार्य कर रही है हमारी सरकार :

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

गुरुवार को तेन्दूखेड़ा ब्लॉक की ग्राम पंचायत बदीपुरा एवं बगदरी में 74.98 लाख से दो अटल ग्राम सुशासन भवन (पंचायत भवन) का निर्माण किया जाएगा एवं ग्राम पंचायत बगदरी के ग्राम तिंदनी में 13 लाख की लागत से नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्र का मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर में स्थानीय विधायक एवं राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने लोकार्पण किया मंत्री लोधी ने कहा कि हमारी सरकार गरीबों के हित में निरंतर योजनाएं बनाकर जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। मैंने संकल्प लिया था कि विधानसभा के प्रत्येक ग्राम में नल जल योजना के माध्यम से पीने का शुद्ध पानी पहुंचाऊगा जिसका कार्य निरंतर प्रगति पर है और बहुत से ग्रामों में पहुंच रहा है। मैंने अपना संकल्प लिया है कि आने वाले विगत वर्षों में किसानों के खेत में पानी पहुंचेगा जिसकी रचना योजना बनकर तैयार हो चुकी है।

इन पंचायत का निर्माण से ग्राम के लोगों को सुविधा प्राप्त होगी जिसमें अधिकारी कर्मचारी जन बैठकर आप सभी के कार्य करेंगे।

आप सभी को निर्माण कार्य के दौरान गुणवत्ता का ध्यान रखना है ताकि मजबूती से भवन निर्माण हो सके अगर किसी भी प्रकार से

लापरवाही बढ़ती जा रही है तो उसकी सूचना हम तक अवश्य पहुंच है जिससे संबंधित

अधिकारियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई की जा सके।

विगत वर्षों से नवीन आंगनबाड़ी केंद्र की मांग आ रही थी जिसका निर्माण हो चुका है इसके निर्माण से आप सभी के छोटे-छोटे बच्चे लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

हमारी सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आपको लाभ पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं मुख्यमंत्री जन कल्याण शिविर के माध्यम से आपकी सरकार आपके द्वार पर आई है और आपकी समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारी निराकरण करेंगे।

मनुष्य को जिंदा रहकर ऐसे कर्म करके जाना चाहिए कि आने वाले समय में हमारी पीढ़ियां याद करे : मंत्री

गुरूवार को नगर के एक्सीलेंस स्कूल के लिए 4 एकड भूमि दान करने बाले स्व. श्री तुलाराम यादव पट्टीदार की मूर्ति का अनावरण राज्यमंत्री धमेन्द्र सिंह लोधी ने स्कूल परिसर में किया गया। यह भूमि श्री पट्टीदार ने 1978 में 4 एकड भूमि इसके अलावा वार्ड क्रमांक 5 में हरिजन वार्ड के लिए भी एक एकड भूमि दान की गई थी। इस दौरान धमेन्द्र सिंह लोधी ने कहां कि मैं स्वर्गीय तुलाराम यादव जी को हृदय से श्रद्धांजली समर्पित करता हूं जिन्होंने बच्चो के लिए 4 एकड भूमि दान की है। वास्तव में बहुत ही अच्छा कार्य उन्होने किया है और कहां भी गया कि कबीरा जब हम पैदा हुए जग हंसे हम रोय, ऐसी करनी कर चलो हम हंसे जग रोय। कहने का तातपर्य है कि मनुष्य को जिंदा रहकर ऐसे कर्म करके जाने चाहिए कि आने बाले समय में वो चला जाए लेकिन आने बाली पीढ़ियां उसके व्यक्तिव को याद करके समाज के प्रति उनके योगदान को हमेषा याद करते रहे। इस प्रकार के काम करके हमारे स्वर्गीय तुलाराम यादव पट्टीदार करके गए है। मैं पट्टीदार परिवार को बहुत बहुत बधाई देता हूँ आपके पूर्वजों से अच्छा कार्य किया गया और हम हमेषा

अच्छा कार्य करे। इसके अलावा राज्यमंत्री ने कई वर्षो से मेन रोड़ से लगकर स्कूल की बाउंड्री से लगी हुई सड़क का विवाद बना हुआ है जिसे भी सुलझाकर सडक बनवाने के लिए पट्टीदार परिवार से आग्रह किया है। मूर्ति अनावरण के अवसर पर पट्टीदार परिवार ने राज्यमंत्री के आग्रह को स्वीकार कर 4 से 5 वार्डो तक जाने बाली सडक को बनाने के लिए जगह प्रदान करने के लिए कहां गया है। इसके अलावा स्वागत भाषण गोविन्द यादव ने दिया। साथ ही जनपद अध्यक्ष तुलाराम यादव ने भी इस अवसर पर अपने विचार रखे। साथ ही षिक्षकों एव नगर के गणमान्य लोगो के द्वारा ज्ञापन देकर एक्सीलेंस स्कूल का नाम भूमि दान दाता स्वर्गीय तुलाराम यादव पट्टीदार के नाम पर रखने की मांग की है। जिस पर राज्य मंत्री धमेन्द्र सिंह लोधी ने आष्वासन दिया है कि इस

संबंध में चर्चा की जाएगीं। साथ ही पट्टीदार परिवार के लोगो ने राज्यमंत्री सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियो का दुपट्टा डालकर एवं उपहार देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन चेतन जैन के द्वारा किया गया। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष सुरेष जैन, उपाध्यक्ष लक्ष्मी नामदेव, मूरत सिंह ठाकुर, रष्मि साहू, अनीता सिंह, विवेक जैन, मंडल अध्यक्ष संतकुमार पाल, संग्राम सिंह, मनोहर सिंह, बेनी पट्टीदार, विजय पट्टीदार, राजीव रसिया, सतेन्द्र जैन, वीरेन्द्र आचार्य, विपिन घोषी, दिनेष साहू, मुन्ना विष्वकर्मा, ब्रजेष लोधी, संतोष दुवे के अलावा दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे। इसके अलावा राज्य मंत्री वादीपुरा ग्राम में नवीन पंचायत भवन का भूमि पूजन किया, ग्राम बगदरी में जनलोक कल्याण षिविर में शामिल हुए साथ ही नवीन पंचायत भवन का भूमि पूजन किया गया।

अनुभूति कार्यक्रम में शामिल हुए छात्र-छात्राएं वन्य प्राणियों से संबंधित जानकारी साझा की

तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

गुरुवार को वन विभाग द्वारा अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन ग्राम कोडल के शिव मंदिर में किया गया जहां प्रथम अनुभूति का आयोजन हुआ जिसमें सी एम राईस स्कूल तेन्दूखेडा एवं शासकीय कन्या हाईस्कूल तेन्दूखेडा के छात्र, छात्राओं, शिक्षकों के साथ मैं भी बाघ, हम हैं बदलाव थीम पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। केप, टी-शर्ट, कपड़ो से बना थैला एवं अनुभूति पुस्तक का वितरण शिविर में उपस्थित 120 छात्र-छात्राओं को किया गया। प्राकृतिक पथभ्रमण के दौरान वृक्ष प्रजाति की पहचान, पारिस्थितिकीय तंत्र, दीमक की बांबी, खाद्य जाल एवं विभिन्न वन्यप्राणियों के पदचिन्हों इत्यादि महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। अनुभूति के मास्टर ट्रेनर श्री बी एल रोहित से.नि., श्री लईक शहजाद वनपाल द्वारा विद्यार्थीयो को प्रकृति भ्रमण में दूरबीन के माध्यम से नदी के किनारे पाये जाने वाली पक्षियों (कैटल इगरेट, बी-ईटर, रेड बेंटेड बुलबुल, बाज) एवं

तितलियों (कॉमन टाईगर, ग्रास एलो, डैनेड एगफ्लाई) की प्रजाति की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विद्यार्थीयो को चाय, नाश्ता, भोजन नो प्लास्टिक यूज को ध्यान में रखते हुए दोना पत्तल इत्यादि में करवाया गया। सभी को आंवला कैंडी वितरीत की गई अनुभूति किट में प्राप्त सामग्रियों से विभिन्न प्रकार के रोचक खेल जैसे जंगल की पुकार, हमारी वन संपदा एवं पक्षियों के प्रवास जैसी अन्य गतिविधियां भी कराई गई। बच्चों द्वारा कपड़े से बने थैले के साथ रैम्पवॉक किया गया। प्रश्नोत्तरी परीक्षा का आयोजन कर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान- कीर्ति पाल, द्वितीय स्थान- करूणा राय एवं मुस्का न चौबे एवं तृतीय स्थान- नीधि तिवारी द्वारा प्राप्त करने पर सम्मानित किए गए।

पुलिस ने मॉडिफाईड साइलेंसर और हूटरों पर चलाया रोलर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह के निर्देश के पालन में शहर में मोटर साइकिल में मॉडिफाइड साइलेंसर के विरुद्ध यातायात पुलिस द्वारा पिछले दिनों अभियान चलाया गया एवं चालानी कार्यवाही कर न्यायालय में प्रकरण प्रस्तुत किये गये थे। न्यायालय द्वारा उक्त प्रकार की मोटर साइकिलों पर भारी जुर्माना लगाया गया था। न्यायालय द्वारा वाहन जुर्माना उपरांत छोड़ा गया था किंतु अवैधानिक साइलेंसर जप्त कर रखे गए थे। न्यायालय के आदेश पालन में उक्त जप्तशुदा साइलेंसर का नष्टीकरण यातायात पुलिस नर्मदापुरम द्वारा आज दिनांक 09- 01- 25 को टैक्सी स्टैंड पर किया गया। यातायात डीएसपी संतोष मिश्रा ने बताया कि 36 मॉडिफाइड साइलेंसर और 19 हूटर का रोलर चला

कर नष्टीकरण किया गया है। इन पर कुल 1, 33, 500 रुपए जुर्माना हो चुका है। उल्लेखनीय है कि यातायात पुलिस द्वारा यह कार्यवाही पहली बार की गई है। कार्यवाही का उद्देश्य समाज व आमजनों में यातायात जागरूकता व यातायात नियमों का पालन करने का संदेश देना है । इसके अतिरिक्त मॉडिफाइड सायलेंसरों के द्वारा ध्वनि प्रदूषण व हुड़दंग करने वाले वाहन चालकों को सचेत करना है। भविष्य में भी यातायात पुलिस नर्मदापुरम द्वारा इस प्रकार की कार्यवाही जारी रहेगी ।

मेट्रो एंकर अखिल भारतीय महात्मा गांधी मेमोरियल हॉकी प्रतियोगिता रोमांचक दौर में

एनसीआर प्रयागराज, डीएचए इटारसी और साई कुरुक्षेत्र मैच विनर

इटारसी, दोपहर मेट्रो

नगर पालिका परिषद के तत्वावधान में जिला हॉकी संघ इटारसी द्वारा आयोजित अखिल भारतीय महात्मा गांधी मेमोरियल हॉकी प्रतियोगिता में बुधवार को तीन मैच खेले जिसमें उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज, जिला हॉकी संघ इटारसी और साई हॉस्टल कुरुक्षेत्र की टीमों ने अपने मैच जीतकर अगले दौर में प्रवेश किया।

पहला मैच गोरखपुर एकादश उत्तर प्रदेश और नार्थ-सेंट्रल रेलवे प्रयागराज उत्तर प्रदेश के मध्य खेला गया। प्रयागराज टीम के सवर्ण खांडेकर ने दूसरे क्वार्टर में पहला

गोल करके बढ़त बना ली थी। गोरखपुर के रोमित पाल ने मैदानी गोल करके स्कोर 1-1 की बराबरी पर ला दिया। अंतिम क्वार्टर में प्रयागराज की ओर से एक और गोल करके 2-1 गोल से मैच जीत लिया।

दूसरा मैच सेंट्रल रेलवे मुंबई ओर साई हॉस्टल कुरुक्षेत्र हरियाणा के मध्य खेला गया। साई कुरुक्षेत्र के युवा लड़कों ने शानदार खेल की बदौलत अपने से कहीं अधिक मजबूत मानी जा रही और अनुभवी खिलाडियों से भरी टीम सेंट्रल रेलवे मुंबई पर मध्यांतर तक 3-0 की बढ़त बनाकर सबको आश्चर्य में डाल दिया। मध्यांतर के बाद मुंबई के खिलाडियों ने अपना अनुभव मैदान पर दिखाया और एक गोल करके बढ़त को कम किया। इसी बीच कुरुक्षेत्र ने एक और गोल करके बढ़त 4-1 कर दी। मुंबई ने दो और गोल करके स्कोर 4-3 किया मगर वे अपनी टीम की हार को टाल न सके।

तीसरा मैच रोमांचक रहा। डीएचए इटारसी और अमरावती महाराष्ट्र के मध्य खेला गया यह मैच प्रारंभ में काफी धीमा रहा और समय बढने के साथ ही इसमें रोमांच बढ़ता गया। दूसरे क्वार्टर में मयंक जेम्स ने मैदानी गोल करके इटारसी को बढ़त दिलायी। आधे समय तक इटारसी की टीम 1 गोल से आगे चलती रही। अंतिम पंद्रह मिनट के खेल में इटारसी के आदित्य ने पेनॉल्टी कॉर्नर को गोल में बदला और बढ़त 2-0 की। इस दौरान अमरावती के शब्बीर ने मैदानी गोल करके बढ़त को कम किया। इटारसी को मिले शॉर्ट कॉर्नर को शॉन गिडियन ने गोल में बदलकर बढ़त को 3-1 किया और अंत तक यही स्कोर रहा।

खनिज विभाग ने अवैध परिवहन पर की कार्यवाही, सिरोंज-लटेरी में दो ट्रैक्टर-ट्राली और एक डंपर जप्त

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में खनिज विभाग द्वारा आकस्मिक भ्रमण कर खनिज के अवैध परिवहन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है।

खनिज अधिकारी मेहताब सिंह रावत के नेतृत्व में गठित दल के द्वारा आज सिरोंज-लटेरी क्षेत्र में दो ट्रैक्टर-ट्राली और एक डंपर द्वारा अवैध रूप से खनिज का परिवहन करते पाए जाने पर जप्त करने की कार्यवाही की गई है।

जिला खनिज अधिकारी श्री रावत ने बताया कि सहायक खनिज अधिकारी श्री पंकज कुमार वानखेड़े द्वारा मय अमले नगर सैनिक परसराम कुशवाहा, ऋतुराज राजपूत के साथ आकस्मिक भ्रमण के दौरान सिरोंज तहसील क्षेत्र में आकस्मिक जांच के दौरान 01 ट्रैक्टर बिना नम्बर एस्कॉर्ट 335 मय ट्रॉली गौण खनिज गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए पाया गया। जिसे जब्त कर एसडीएम कार्यालय सिरोंज के प्रांगण में माल जमादार की अभिरक्षा में रखा गया। तहसील लटेरी क्षेत्र में आकस्मिक जांच के दौरान 01 ट्रैक्टर बिना नम्बर एस्कॉर्ट 335 मय ट्रॉली गौण खनिज गिट्टी डस्ट तथा तहसील लटेरी झुकर जोगी क्षेत्र में आकस्मिक जांच के दौरान 01 डंपर क्रमांक एमपी-39 एच-3680 गौण खनिज मुरम का अवैध परिवहन करते हुए पाया गया। जिसे जब्त कर थाना लटेरी प्रांगण की अभिरक्षा में रखा गया है।

जिला खनिज अधिकारी श्री रावत ने बताया कि अवैध खनन, परिवहनकर्ताओं के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के प्रावधानों के तहत अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रकरण कलेक्टर श्री सिंह के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे। अवैध खनन परिवहन के विरुद्ध निरंतर कार्यवाही जारी रहेगी।

नगरीय क्षेत्र में हो रहे निर्माण कार्यों का जायजा लेने पहुंचे विधायक

ब्रह्मा घाट पर अतिक्रमण हटाने दिए निर्देश गंदगी और लापरवाही पर जताई नाराजगी

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

गुरुवार को विधायक उमाकांत शर्मा ने एसडीम हर्षल चौधरी के साथ नगर पालिका एवं राजस्व विभाग के अमले को लेकर नगरीय क्षेत्र में हो रहे निर्माण का जायजा लेने के लिए पहुंचे कमियां और लापरवाही में नाराजगी जताते हुए व्यवस्थित रूप से निर्माण कार्य करवाने के साथ ब्रह्म घाट पर हुए अतिक्रमण हटाने के निर्देश देखकर यहां भी निर्माण कार्य करवाने के निर्देश दिए।

विधायक श्री शर्मा सबसे सब्जी मंडी में नगर पालिका परिषद के द्वारा करवाया जा रहे है कार्यो को देखा विधायक ने नगर पालिका इंजीनियर से सब्जी मंडी में किस तरह से काम की जा रहा है उसके बारे में पूछा साथ ही नक्शा मांगा तो इंजीनियर बगले झांकते हुए नजर आए उन्होंने कहा कि यहां पर व्यवस्थित रूप से काम किया जाए व्यापारी गणों के साथ-यहां पर आने वाले किसानों को भी परेशान ना हो इसकी रूपरेखा ऐसी बनाएं कि जब कृषि उपज मंडी दूसरी जगह शिफ्ट होने के बाद सब्जी मंडी को यहीं पर हम शिफ्ट करेंगे नक्शा आदि नहीं होने पर फटकार भी लगते हुए कहा कि गुणवत्ता के साथ सही काम होना चाहिए इसकी चिंता कर ले।

इसके उपरांत विधायक बासौदा नाका वाले शमशान घाट पहुंचे यहां पर उन्होंने साफसफाई नहीं होने पर कहां की कहां है दरोगा मौके पर बुलाने की बात कही और कहा कि यहां पर अच्छे से साफ-सफाई करवा कर व्यवस्थित रूप से निर्माण कार्य करवाया जाए जिससे कि यहां पर दाह संस्कार के लिए आने वाले लोगों को परेशानी न हो इन्होंने छतरी नाके से लेकर कस्टम तक बन नाले को भी देखा और कहां की गुणवत्ता के तेज गति से कार्य करवाया जाए।

ब्रह्म घाट वाले श्मशान घाट का भी जायजा लेने के लिए विधायक पहुंचे यहां पर ईट भट्ठों वालों के द्वारा अतिक्रमण करके कारोबार किया जा रहा है। इस पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि सीमांकन करके जिन लोगों ने अतिक्रमण किया है।

उसको तत्काल आठवां एक निर्देश एसडीएम को देते हुए कहा कि इसके बाद यहां पर सीसी आदि का कार्य करवाया जाए। जिससे यहां पर दाह संस्कार के लिए आने वाले को असुविधा का सामना न करना पड़े उन्होंने यहां के प्राचीन महत्व के बारे में भी विस्तार से बताया इसके अलावा उन्होंने कहा कि शहर में सार्वजनिक स्थानों मार्गो पर धार्मिक स्थलों पर भी अतिक्रमण अतिक्रमण किया जा रहा है। गंभीरता से कार्रवाई करते हुए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाए। अभी प्रशासन के द्वारा एक तरफसे अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नहीं की जाती इस वजह से पक्षपात पूर्ण करवाई के आरोपी भी लगते हैं। प्रशासन के द्वारा बड़ों पर कार्रवाई नहीं जाती जाती है। इनके द्वारा सरकारी जमीन पर कब्जा करके पाठ के निर्माण लिखिए जा रहे हैं रास्तों को भी बंद करके दुकानदारी करते हैं। विधायक के निर्देशों के उपरांत प्रशासन के ऐसे लोगों पर भी कार्रवाई की जाएगी या फिर गरीबों पर ही कार्रवाई होगी बड़ों पर फिर रहम दिखाएं जाएगा।

कन्या शाला की छात्राओं ने थाने तथा एसडीओपी कार्यालय का देखा कामकाज

सिरोंज। गुरुवार को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं ने थाना एवं एस.डी.ओ.पी. कार्यालय का भ्रमण करने के लिए पहुंची इन्होंने पुलिस थाना के विभिन्न कक्ष एवं कार्यवाही के बारे जानकारी ली इसके बाद छात्राएं एस.डी.ओ.पी. कार्यालय की गतिविधियां देखने पहुंची यहां पर किस तरह से काम पुलिस के द्वारा किया जाता है। उमेश कुमार तिवारी ने कन्या शाला की छात्राओं को बताते हुए कहा कि पुलिस द्वारा किए जाने वाले कामों के बारे में विस्तार से बताते कार्यालय का भ्रमण भी करवाया एवं कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। विद्यालय के छात्राओं को पुलिस साहायता हेतु डायल 100 सेवा के बारे में भी बताया गया। इसके अलावा गुड टच बेड टच के बारे में भी छात्राओं को जानकारी दी तथा साइबर फ्रॉड के बारे में भी उन्होंने बताते हुए कहा कि इससे सचेत रहें दूसरों को भी जागरूक करें।

विद्यार्थियों ने किया थानों का भ्रमण

गंजबासौदा। पुलिस अधीक्षक के आदेश अनुसार गुरुवार को दोनों थाने शहर और देहात का स्कूली छात्र-छात्राओं को भ्रमण कराया गया। जिसमें रतनबाई स्कूली छात्र छात्राओं को इंचार्ज प्रभारी उप निरीक्षक गौरव बाजपेई उप निरीक्षक दिव्या पाराशर द्वारा थाने की समस्त कार्य प्रणाली के बारे में अवगत कराया गया। वहीं शहर थाने में शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल के बच्चों को भ्रमण कराया। जिसमें साइबर फ्रॉड,100 डायल, सीएम हेल्पलाइन एवं महिला संबंधी अपराध आदि जानकारी दी गई उनके सवालों के जवाब भी दिए गए छात्र-छात्राओं को थाने की कार्यप्रणाली से अवगत कराया। एवं किस प्रकार एक आवेदक अपनी शिकायत लेकर आता है जिसका निराकरण किस प्रकार किया जाता है। थाना स्टाफ द्वारा उनके सवालों के जवाब भी दिए एवं शस्त्रागार मालखाना ,हवालात , वायरलेस सेट कम्युनिकेशन , सीसीटीएनएस, साइबर क्राइम,विवेचक कक्ष, थाना प्रभारी कक्ष व इनके प्रथक प्रथक कार्यों के बारे में जानकारी भी दी। इस मौके थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह परमार एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

कलेक्टर ने 3 स्थानीय अवकाश घोषित किए

सिरोंज। विदिशा कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने वर्ष 2025 के लिए जिले के लिए तीन स्थानीय अवकाश घोषित करने का आदेश जारी कर दिया है। उक्त स्थानीय अवकाश बैंक, कोषालय एवं उप कोषालयों पर लागू नही होंगे। कलेक्टर श्री सिंह के द्वारा जिले में जिन तिथियों के लिए स्थानीय अवकाश घोषित किए गए है उनमें मंगलवार 14 जनवरी को मकर सक्रांति पर्व, बुधवार 19 मार्च 2025 को रंगपंचमी के लिए और बुधवार 27 अगस्त 2025 गणेश चतुर्थी के लिए स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह, निकाह योजना वैवाहिक सम्मेलनो की तिथियां जारी

सिरोंज। विदिशा मुख्यमंत्री कन्या विवाह, निकाह योजना अंतर्गत जनपदो व निकायो में सामूहिक वैवाहिक सम्मेलन आयोजन की तिथियां जारी की गई है। जिला पंचायत सीईओ पंकज जैन ने बताया कि दो फरवरी को जनपद पंचायत लटेरी में तथा बसंत पंचमी तीन फरवरी को सिरोंज की जनपद पंचायत व निकाय क्षेत्र में तथा नटेरन जनपद पंचायत में एक साथ सामूहिक विवाह सम्मेलनों का आयोजन किया गया है। विदिशा जनपद पंचायत में सात फरवरी को तथा बासौदा जनपद पंचायत में 15 फरवरी को और कुरवाई जनपद पंचायत में बीस फरवरी को मुख्यमंत्री कन्या विवाह, निकाह योजना के अंतर्गत सामूहिक वैवाहिक सम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा। जनपदो व निकायो के अधिकारियों को सामूहिक वैवाहिक सम्मेलन आयोजन के परिपेक्ष्य में आवश्यक दिशा निर्देश प्रसारित किए गए है वहीं आयोजन के पूर्व तिथियों का व्यापक प्रचार प्रसार कराया जाना सुनिश्चित हो के लिए ताकिद किया गया है वहीं निकाय व जनपद क्षेत्र के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को सामूहिक विवाह सम्मेलन की तिथियों से अवगत कराते हुए आयोजन में सम्मिलित होने हेतु आमंत्रित करने के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

शिक्षिका ने बच्चों को बांटे गर्म कपड़े

गंजबासौदा। प्राथमिक शाला भाटनी पूर्व में पदस्थ शिक्षिका कौशल्या चोरसिया ने शाला के समस्त छात्रों को सर्दी के मौसम को देखते हुए शाला में दर्ज समस्त छात्र छात्राओं को स्वेटर वितरित किये, साथ ही शाला की प्रधान अध्यापिका दीपा जैन ने शाला के लिए ऑफिस टेबल दी साथ ही रसोइयों को शाल भेंट किये इस अवसर पर सीएसी अजय सक्सेना, महेंद्र सिंह रघुवंशी, सहित शाला की प्रधान अध्यापिका दीपा जैन, अनिल शर्मा,शिक्षिका सुनीता पंथी, सरिता दुबे सहित समस्त स्टाफ और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हेमलता विश्वकर्मा, सहायिका लक्ष्मी रैकवार सहित ग्रामीण उपस्थित रहे। इस अवसर पर सीएसी अजय सक्सेना ने बताया कि एक शिक्षक का संपूर्ण जीवन छात्रों को समर्पित रहता है,, उनके उज्वल भविष्य के लिए शिक्षक हमेशा तत्पर रहता है, साथ ही उनके नैतिक जीवन को शिक्षा, संस्कार से रोशनी देकर उनके जीवन को उज्जवल कर देता है यही शिक्षक का कर्तव्य भी है। सेवानिवृति के बाद भी विद्यालय को अपनी सेवा के साथ साथ जो सेवा की उसका सबको अनुकरण करना चाहिये।

थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ के विरूद्ध की कार्यवाही

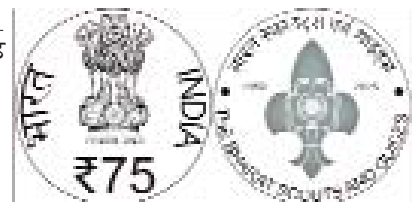

- आरोपी से 1 किलो 500 ग्राम गांजा कीमती 50,000 रूपये का जप्त किया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

पुलिस अधीक्षक विदिशा रोहित काशवानी के द्वारा जिले के सभी थाना प्रभारियों को अवैध मादक पदार्थ का क्रय विक्रय एवं परिवहन करने वाले आरोपियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है।इसी क्रम में थाना दिनांक 06.01.25 को अति0 पुलिस अधीक्षक विदिशा डॉ0 प्रशांत चौबे एवं एसडीओपी कुरवाई मनीष राज के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी पथरिया के द्वारा मुखबिर सूचना के आधार पर असद खांन पिता अब्दुल हफीज खांन उम्र 25 साल निवासी कत्था बिल्डिंग के सामने खाई रोड झूलनपीर विदिशा एवं इमरान उर्फसाहिल खान पिता शहजाद खांन उम्र 20 साल निवासी वार्ड क्र.02 लटेरी हाल गली नंबर 04 दुर्गा नगर विदिशा के कब्जे से 1 किलो 500 ग्राम गांजा मय मोटर सायकिल क्रमांक एमपी-40-एमक्यू-6029 कीमती 50000 रूपये का जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। जिनके द्वारा उक्त मादक पदार्थ को रक्षित राठौर निवासी विदिशा से खरीदना बताया था आरोपीगणों के विरूद्ध थाना पथरिया में अपराध क्रमांक 0625 धारा 820 एनडीपीएस एक्ट इजाफा 29 छक्कै् बज के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश किया गया।

'सराहनीय भूमिका'

उनि ऋतुराज सिंह, उनि वीरेन्द्र पाल, प्र0आर0 जितेन्द्र यादव, प्रआर पवन जैन, आर0 अंकुश जाट, आर0 रवि जादौन, आर0 शुभेन्द्र चौहान, आर0 सोनू राजपूत एवं आर0 आशीष कुमार की विशेष भूमिका रही।

एसडीएम ने नपाअमले की ली बैठक, काम नहीं करने वाले ठेकेदारों करेंगे ब्लैक लिस्ट

सिरोंज। गुरुवार को को एसडीएम हर्षल चौधरी ने नगर के कामों में कसावट लाने के लिए बैठक लेते हुए कहा कि जितने भी निर्माण कार्यों के टेंडर लगा चुके हैं। जिन्होंने काम लिया है वह ठेकेदार अनुबंध कराकर काम नहीं कर रहे हैं। इनको प्रथम, द्वितीय, तीसरी सूचना के बाद भी काम नहीं करने पर ठेकेदारों को ब्लैक लिस्ट करने की करवाई करें निर्माण कार्य को समय सीमा में पूर्ण करवाया जाए किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी विस्तार से एसडीएम ने सभी कामों की समीक्षा करके दिशा निर्देश निर्माण शाखा को दिए इसके अलावा उन्होंने साफसफाई व्यवस्था को लेकर भी सफाई शाखा की बैठक लेते हुए कहा कि शहर को ग्रीन क्लीन बनाने के लिए धरातल काम दिखना चाहिए इसमें किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए सभी जगह साफसफाई हो व्यवस्था को देखने के लिए मैं भी जाऊंगा दरोगा अपना काम पूरी जिम्मेदारी से करें जो दरोगा मुझे अपने क्षेत्र में नहीं मिलेगा उस पर करवाई भी हम करेंगे साथ उन्होंने कर्मचारी अधिकारीयों से कहा कि सभी कार्यालय में समय पर आए और जनहित के कामों को तेज गति से करें किसी भी पात्र व्यक्ति का काम रोकने का कार्य किया गया तो कार्रवाई होगी।

भारत स्काउट गाइड के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में केंद्र जारी करेगा 75 रुपए का सिक्का

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

भारत स्काउट गाइड के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारत सरकार द्वारा 75 रूपए का सिक्का जारी करेगी। इस अवसर पर भारत स्काउट गाइड जिला संघ के उपाध्यक्ष राजीव जैन सैनानी ने भारत सरकार का आभार व्यक्त करते हुए खुशी जाहिर की। 06 जनवरी 2025 को जारी भारत के राजपत्र में इस बात का उल्लेख किया गया है। उक्त सिक्के का मूल्य वर्ग पचहत्तर रूपये होगा।

जिसका वृत्ताकार 44 मिलीमीटर व दांतेदार किनारे की संख्या 200 होगी। साथ ही इस सिक्के में चतुर्धातुक मिश्र धातु जिसमें चांदी 50 प्रतिशत, तांबा 40 प्रतिशत, निकिल 05 प्रतिशत और जस्ता 05 प्रतिशत धातु संयोजन की जाएगी। सिक्के के अग्र भाग पर मध्य में अशोक स्तम्भ का सिंह स्तम्भ शीर्ष होगा, जिसके नीचे सत्यमेव जयते लेख उत्कीर्णित होगा, उसकी बाई परिधि पर देवनागरी लिपि में भारत शब्द और दाई परिधि पर अंग्रेजी में इंण्डिया शब्द होगा।

सिंह स्तम्भ शीर्ष के नीचे रूपये का प्रतीक रू और अंतराष्ट्रीय अंको में अंकित मूल्य 75 भी होगा। तो वही पृष्ठ भाग पर भारत स्काउट्स एंव गाइड्स का प्रतीक चिन्ह होगा और भारत स्काउट्स एंव गाइड्स का प्रतीक चिन्ह के बाई तथा दाई और अंतराष्ट्रीय अंको में क्रमशः वर्ष 1950 तथा 2025 उत्कीर्ण होगा। सिक्के की ऊपरी परिधि पर देवनागरी लिपि में भारत स्काउट्स एंव गाइड्स उत्कीर्ण होगा। साथ ही सिक्के की निचली परिधि पर अंग्रेजी में भारत स्काउट्स एंड गाइड्स उत्कीर्ण होगा।

मेट्रो एंकर — ग्राम पंचायत तिलोनी को किस राजनेता का है संरक्षण

सरपंच-सचिव को किस राजनेता ने दिया अभयदान!

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

एक ऐतिहासिक प्रतिज्ञा महाभारत युद्ध काल में संपूर्ण युद्ध को देखने की भीष्म पितामह द्वारा की गई थी। ऐसी ही प्रतिज्ञा विदिशा जिले की लटेरी जनपद में पंचायत इंस्पेक्टर महेश शर्मा द्वारा ग्राम पंचायत तिलोनी के भ्रष्टाचारियों को खुले आम संरक्षण दिया जा रहा है या यूं कहें कि महेश शर्मा द्वारा लटेरी जनपद में बैठकर ग्राम पंचायतों के लिए ऐसा ही रोल अदा किया जा रहा है। हम यहां ऐसा इसलिए कह रहे है कि पांचवे वित्त की राशि की मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी पंचायत इंस्पेक्टर की होती है, सरकार ने मॉनिटरिंग के लिए बाकायदा नियम कायदे भी जारी कर रखें है, कि किस प्रकार पांचवे वित्त से प्राप्त राशि का उपयोग किस कार्य के लिए करना है। लेकिन चर्चा है कि जनपद में बैठे इन साहब को तो सिर्फ कमीशन से मतलब है। हर भुगतान में इनको कमीशन मिलता है। आप अगर पांचवे वित्त से प्राप्त राशि की शिकायत भी करोगे तो कुछ नहीं कर पाओगे क्योंकि जनपद में पंचायत इंस्पेक्टर साहब जो बैठे हैं। इससे पहले भी तिलोनी की शिकायत की जांच कर साहब पंचायत को क्लीन चिट दे चुके है।

आखिरकार कौन है पंचायत इंस्पेक्टर साहब

महेश शर्मा के बारे में बताया जाता है साहब की मंत्री और अफसरों से अच्छी पकड़ है, इसीलिए साहब हमेशा अकड़ में रहते हैं। जिला एवं जनपद सीईओ का पंचायत इंस्पेक्टर को बिल्कुल भी भय नहीं है। चर्चा है कि जिला सीईओ और जनपद पंचायत सीईओ हमेशा साहब की जेब में रहते है, ऐसा हम नहीं कह रहे है पंचायत साहब कहते है। पंचायत तिलोनी को प्राप्त होने बाली पांचवे वित्त की राशि की जांच जिला सीईओ साहब जिम्मेदाराना तरीके से करा लें तो कई लोग मुश्किलों में फंस सकते हैं।

इनका कहना है

मेरे पिता जी के नाम से प्रधानमंत्री आवास मिला है, इसकी मजदूरी की सम्पूर्ण राशि सरपंच सचिव ने अपने खातों में डाल कर निकाल ली है, ओर ग्राम पंचायत में पांचवे वित्त और मनरेगा योजना में भ्रष्टचार हुआ है मेरे द्वारा इसकी शिकायत कलेक्टर विदिशा की की गई है, इंस्पेक्टर द्वारा बोला जा रहा है कि शिकायतों से कुछ नहीं होता इसलिए आप अपनी शिकायत वापिस ले लो। **-नेपाल यादव तिलोनी**

मुझे और मेरे परिवार के पांच लोगों को प्रधानमंत्री आवास मिला है, इनकी मजदूरी की सम्पूर्ण राशि सरपंच सचिव ने अपने खातों में डाल कर निकाल ली है, ओर ग्राम पंचायत में मनरेगा योजना सहित सभी योजनाओं में भ्रष्टचार हुआ है मेरे द्वारा इसकी शिकायत कलेक्टर विदिशा में की गई है, पंचायत इंस्पेक्टर द्वारा शिकायत की मनमाने तरीके से जांच की जा रही है। **-कमलसिंह बंजारा कार्राबरी**

मेने दो खेत तालाब मंजूर करवाए थे मेरे द्वारा मंजूर करवाए गए दोनों खेत तालाबों की राशि विना कार्य किए निकाल ली गई है। पांचवे वित्त की राशि के विल सरपंच सचिव अपने परिवार बालों के नाम मुरम बोल्डर के डाल रहे है, मेने इसकी शिकायत विदिशा कलेक्टर से की है, पंचायत इंस्पेक्टर महेश शर्मा द्वारा जांच के नाम पर खाना पूर्ति की जा रही है। और शिकायत वापिस लेने का दवाब बनाया जा रहा है।

- हल्कुराम यादव नागौरी

बैडमिंटन: प्रणय-मालविका अंतिम 16 दौर में, लक्ष्य का हार से सामना

कुआलालंपुर.एजेंसी

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय और मालविका बंसोड़ ने मलेशिया ओपन के क्रमशः पुरुष और महिला एकल के शुरुआती मुकाबले जीतकर प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया। वहीं तनीषा क्रेस्टो और ध्रुव कपिला तथा सतीश कुमार कुरूणाकरन और आद्या वरियथ की जोड़ी ने मिश्रित युगल वर्ग के राउंड-16 में जगह पक्की कर ली। हालांकि शीर्ष भारतीय खिलाड़ी लक्ष्य सेन को पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा।

शि फेंग से होगा सामना: छत से पानी टपकने के कारण देर से हुए मुकाबले में प्रणय ने कनाडा के प्रतिद्वंद्वी ब्रायन यांग को एक घंटे 29 में 21-12, 17-21, 21-15 से हराया। अब उनका सामना चीन के शि फेंग से होगा जिन्होंने प्रियांशु राजावत को 21-11, 21-16 से हराया। मालविका ने गोह जिन वेई को 21-15, 21-16 से हराया।

कारााबाओ कप: न्यूकैसल यूनाइटेड से हार के बाद आर्सेनल की राह हुई मुश्किल

लंदन। इंग्लिश प्रीमियर लीग की खिताबी होड़ में शामिल आर्सेनल के लिए कारााबाओ कप के फाइनल में पहुंचने की राह मुश्किल दिख रही है। आर्सेनल को घरेलू मैदान पर खेले गए सेमीफाइनल के पहले चरण के मैच में न्यूकैसल यूनाइटेड के हाथों 2-0 से शिकस्त झेलनी पड़ी। अब उसे फाइनल की उम्मीदें कायम रखने के लिए फरवरी में होने वाले दूसरे चरण के मुकाबले में न्यूकैसल को उसके घरेलू मैदान पर बड़े अंतर से हराना होगा।

22 जनवरी से शुरू होगी घरेलू सीरीज केएल राहुल इंग्लैंड के खिलाफ बाहर

सीरीज में पहले कोलकाता में टी-20 मैच होगा, फिर तीन वन-डे मैच होंगे

नईदिल्ली, एजेंसी

भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल को इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाली आठ मैचों की व्हाइट-बॉल सीरीज से आराम दिया जाएगा, जिसमें पांच टी-20 और तीन वनडे शामिल हैं। यह सीरीज 22 जनवरी को कोलकाता में पहले टी-20 मैच से शुरू होगी। जानकारी मुताबिक मध्यक्रम के बल्लेबाज और विकेटकीपर केएल राहुल को सिलेक्शन कमेटी ने आश्वासन दिया है कि उन्हें फरवरी में पाकिस्तान और यूएई में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम में चुना जाएगा। एक अधिकारी ने बताया कि चैंपियंस ट्रॉफी में राहुल की जगह पक्की है। इसलिए ही उन्हें इंग्लैंड सीरीज से आराम दिया गया है। हालांकि राहुल हाल ही में भारत की टी20 टीम का हिस्सा नहीं रहे हैं। उन्होंने अपना आखिरी टी-20 साल 2022 में खेला था, लेकिन वह वनडे में भारत के नंबर 1 विकेटकीपर बल्लेबाज रहे हैं, जहां उन्होंने लगातार मध्य क्रम में रन बनाए हैं।

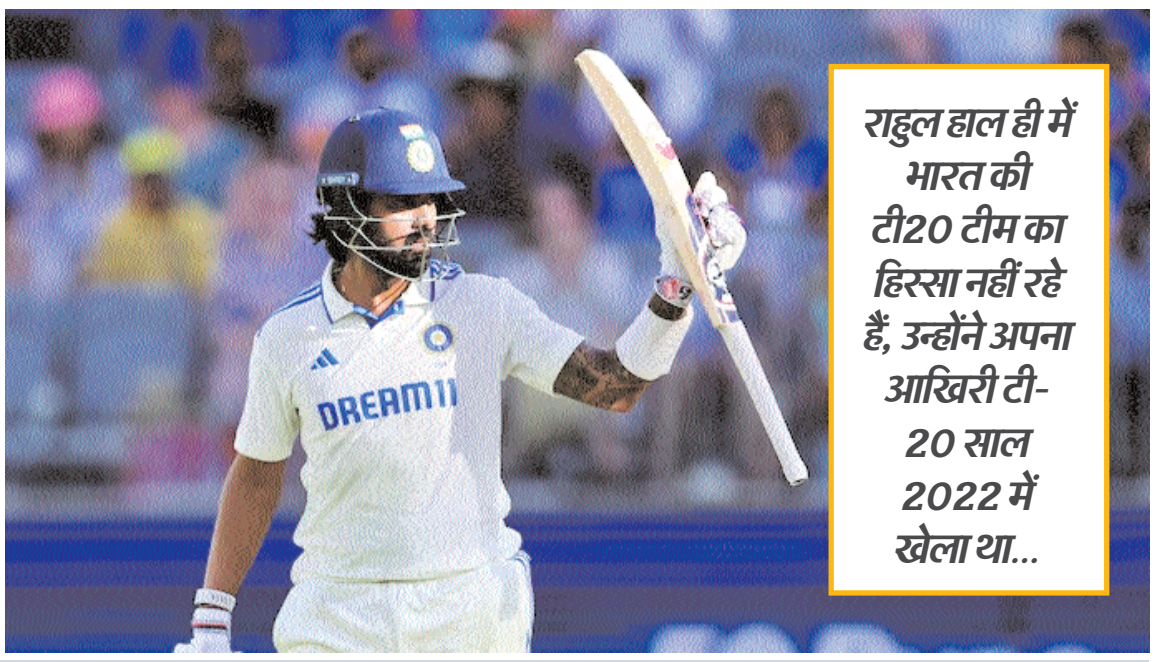

राहुल हाल ही में भारत की टी20 टीम का हिस्सा नहीं रहे हैं, उन्होंने अपना आखिरी टी-20 साल 2022 में खेला था...

बॉर्डर-गावस्कर के सभी मैचों में खेले : राहुल ऑस्ट्रेलिया में संपन्न हुई बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में केएल राहुल को पांचों टेस्ट मैचों की प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया था। राहुल ने 30.66 की औसत से 276 रन बनाए थे। जिसमें 2 अर्धशतक शामिल है। विजय हजारे ट्रॉफी से भी कर्नाटक टीम से बाहर रहे राहुल विजय हाजरे ट्रॉफी से भी बाहर रहने का फैसला किया। कर्नाटक की टीम को 11 जनवरी को वडोदरा के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच खेलेगी। राहुल इसमें नहीं खेलेंगे। वहीं अगर कर्नाटक की टीम क्वार्टर-फाइनल को जीतकर आगे बढ़ती है, तो भी वह विजय हजारे ट्रॉफी में हिस्सा नहीं लेंगे।

लाहौर का गद्दाफी स्टेडियम।

सिर्फ 40 दिन बाकी लेकिन पाक में स्टेडियम तैयार नहीं

चैंपियंस ट्रॉफी: आईसीसी की चिंता बढ़ी

दुबई. एजेंसी

पाकिस्तान की मेजबानी में आइसीसी वनडे चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत 19 फरवरी 2025 से होनी है। टूर्नामेंट के आयोजन में काफी कम समय बाकी है लेकिन पाकिस्तान में अभी तक स्टेडियम पूरी तरह से तैयार नहीं हो सके हैं। इससे आइसीसी की चिंता बढ़ गई है। टूर्नामेंट के मैच पाकिस्तान के तीन शहर कराची, रावलपिंडी व लाहौर में खेले जाने हैं।

डेडलाइन 31 दिसंबर खत्म हो चुकी: पाकिस्तान को स्टेडियम में पुनर्निर्माण का काम खत्म करने के लिए 31 दिसंबर तक का समय दिया गया था लेकिन ये डेडलाइन पीछे छूट चुकी है। तीनों स्टेडियम के हालात काफी बुरे हैं और काफी काम होना बाकी रह गया है।

समय से काम पूरा नहीं हुआ तो क्या होगा...: पीसीबी के सामने समस्या यह है कि यदि स्टेडियम समय से तैयार नहीं हुए और आइसीसी तैयारियों से संतुष्ट नहीं हुआ तो चैंपियंस ट्रॉफी को दूसरे देश में स्थानांतरित किया जा सकता है।

बैकअप प्लान में दुबई: आइसीसी के बैकअप प्लान में दुबई है। यहां हाइब्रिड मॉडल के तहत टूर्नामेंट में भारतीय टीम के मुकाबले खेले जाएंगे। दुबई पूरे टूर्नामेंट की मेजबानी करने के लिए भी तैयार है।

आईसीसी अधिकारी खफा: पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को हर हाल में चैंपियंस ट्रॉफी शुरू होने से एक सप्ताह पहले 15 फरवरी तक तीनों स्टेडियम आइसीसी को सौंपने हैं। लेकिन अभी जो स्थिति है, उससे आइसीसी के अधिकारी नाराज हैं।

मेट्रो बाजार

बजट: आयकर अधिनियम में सुधार का प्रस्ताव अंतिम चरण में

म्युचुअल फंड इंडस्ट्री ने भी सरकार के सामने रखीं 13 सूत्रीय मांग, टैक्स प्रणाली में हो सकते हैं ये बदलाव

नई दिल्ली.एजेंसी

इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया को सरल और कम झंझटभरा बनाने के लिए केंद्र सरकार बड़े बदलाव की तैयारी कर रही है। पिछले एक दशक में 120 अरब डॉलर से अधिक के टैक्स विवाद के कारण इसे सुलझाने पर जोर दिया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आयकर अधिनियम में सुधार का प्रस्ताव अंतिम चरण में है और इसे जनवरी के मध्य तक सार्वजनिक परामर्श के लिए पेश किया जा सकता है। इसके बाद संशोधित कानून को एक फरवरी को पेश होने वाले आम बजट में शामिल किए जाने की संभावना है।

इंडेक्सेशन बेनेफिट: एम्फी का सबसे प्रमुख प्रस्ताव डेट फंड्स के लिए लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन पर इंडेक्सेशन लाभ को बहाल करना है। इसमें निवेशकों को कैपिटल गेन को महंगाई के अनुसार एडजस्ट करने की अनुमति दी जाती थी।

समान टैक्स: डेट फंड्स की यूनिट्स जो एक वर्ष से अधिक समय तक रखी गई हों, उनके कैपिटल गेन पर 12.5 फीसदी की रेट से टैक्स लगाया जाए, जैसा कि लिस्टेड बॉन्ड्स पर लागू होता है।

सेबी रजिस्ट्रेड म्युचुअल फंड्स को पेंशन: ओरिएंटेड म्युचुअल फंड योजनाएं शुरू करने की अनुमति दी जाए। इन योजनाओं को 80सीसीडी (1) और 80सीसीडी (1बी) के तहत एनपीएस के समान टैक्स में लाभ प्रदान किया जाए।

ईएलएसएस: अभी निवेश 500 रुपए के गुणकों में करना अनिवार्य है, इस शर्त को हटाने की सिफारिश की गई है। मांग है कि नवेशक 500 की न्यूनतम सीमा पूरी होने के बाद कोई भी राशि निवेश कर सकें।

स्कीम स्विच: ईएलएसएस योजनाओं के बीच स्विच करने पर कैपिटल गेन टैक्स से छूट दी जाए। यह कदम निवेशकों को बिना अतिरिक्त टैक्स का बोझ उठाए अपने पोर्टफोलियो को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित करेगा।

एआइएफ: वैकल्पिक निवेश फंड्स (एआइएफ) को टैक्स छूट के दायरे में लाया जाए। यह कदम एआइएफ को अधिक आकर्षक बनाएगा और इस क्षेत्र में अधिक निवेश आकर्षित करेगा।

म्यूचुअल फंड्स: इस साल 6 नए फंड हाउस की म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में होगी एंट्री

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में उठापटक के बावजूद म्यूचुअल फंड्स खासकर इक्विटी फंड्स में निवेश लगातार बढ़ रहा है। 2024 में इक्विटी फंड्स में नवंबर तक 3.53 लाख करोड़ रुपए से अधिक निवेश आया, जो 2023 में आए कुल 1.60 लाख करोड़ रुपए से दोगुने से भी अधिक है। इस दौरान देश में 4.6 करोड़ नए डीमैट खाते खुले, जिससे इनकी संख्या बढ़कर 18.53 करोड़ हो गई। 27 सितंबर के बाद से बाजार के 7त्न से अधिक लुढ़कने से पिछले 3 महीने में कुल 18 इक्विटी-हाइब्रिड फंड्स में से केवल 3 म्यूचुअल फंड कैटेगरी में निवेशकों को पॉजिटिव रिटर्न दिया है। अक्टूबर से अब तक टेक्नोलॉजी, फार्मा-हेल्थकेयर और इंटरनेशनल फंड कैटेगरी का रिटर्न ही पॉजिटिव रहा है। इन सेक्टोरल कैटेगरी में तेजी के बावजूद एक्सपर्ट सेक्टोरल फंड्स में निवेश से बचने की सलाह देते हैं। आनंद राठी वेल्थ की श्वेता रजनी ने कहा, पिछला प्रदर्शन भविष्य में बेहतर रिटर्न की गारंटी नहीं देते। इस साल इंफ्रा क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। अभी लार्जकैप और डायवर्सिफाइड फंड्स में निवेश करना चाहिए।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

'इमरजेंसी' पर कंगना रनोट बोलीं- अब कभी पॉलीटिकल फिल्में नहीं बनाऊंगी

कंगना रनोट की फिल्म इमरजेंसी 17 जनवरी को रिलीज होने वाली है। एक्ट्रेस ने बताया है कि राजनीतिक मुद्दे पर बनी इस फिल्म को बनाने में उन्हें बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। इस वजह से वे भविष्य में कभी पॉलीटिकल फिल्में नहीं बनाएंगी। कंगना ने एक इंटरव्यू में बताया कि मैं अब कभी कोई राजनीतिक फिल्म नहीं बनाऊंगी। मैं इससे बहुत इंस्पायर नहीं हूं। अब मुझे समय में आया कि बहुत से लोग ऐसा क्यों नहीं करते, खासकर वास्तविक जीवन के किरदारों पर। इतना कहने के बाद मुझे लगता है कि अनुपम खेर जी ने मनमोहन सिंह के रूप में द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर में कमाल किया। यह उनके बेस्ट परफॉर्मेंस में से एक है। लेकिन अगर आप मुझसे पूछें, तो मैं इसे फिर कभी नहीं बनाऊंगी।

मुझे और पैसे चाहिए थे, मैं खुश नहीं हूं

कंगना ने कहा- मैंने इस फिल्म के सेट पर कभी अपना आपा नहीं खोया। अगर आप प्रोड्यूसर हैं, तो आप किस पर अपना आपा खो देंगे? एक डायरेक्टर के तौर पर, कोई प्रोड्यूसर से लड़ सकता है। लेकिन अगर आप ही दोनों रोल निभा रहे हैं तो आप किससे लड़ सकते हैं? मैं जोर से कहना चाहती थी कि मुझे और पैसे चाहिए और मैं खुश नहीं हूं। लेकिन मैं कहां जा कर रोती। किसको क्या बोलती? एक्ट्रेस ने कहा- हम कोविड के दौरान शूटिंग कर रहे थे। मेरे पास इंटरनेशनल क्रू थी। वे बहुत स्ट्रिक्ट होते हैं। उन्हें हर हफ्ते के अंत तक पेमेंट चाहिए होती है। जब शूटिंग नहीं होती थी तो भी उन्हें पेमेंट देना पड़ता था क्योंकि वे मेरी फिल्म से जुड़े थे। फिर असम में बाढ़ आ गई। मेरे पास दूसरे मुद्दे भी थे जिनसे मैं निपट रही थी। मैं इस फिल्म को बनाने के लिए स्ट्रगल कर रही थी। मुझे बहुत बेसहारा महसूस होता था। मैं निराश होती थी, लेकिन अपनी निराशा किसे दिखाती। बता दें कंगना ने सोशल मीडिया एक्स पर फिल्म के नए ट्रेलर को शेयर किया। नए ट्रेलर में से जरनैल सिंह भिंडरांवाला और सिखों को खालिस्तानी और गलत तरीके से पेश करने वाले सारे सीन हटा लिए गए हैं। इससे पहले 14 अगस्त 2024 को फिल्म इमरजेंसी का ट्रेलर रिलीज किया गया था। जिसमें सिखों को गोलियां चलाते हुए दिखाया गया था। सिखों का आरोप था कि इसमें उन्हें आतंकी दिखाने की कोशिश की गई है।

'फैंस हमारी तस्वीरों से शादी करते थे, फिल्म की दीवानगी पर बोलीं अमीषा

रोमांटिक फिल्म कहो ना प्यार है फिल्म को सुपरस्टार ऋतिक रोशन के जन्मदिन पर 10 जनवरी यानी आज सिनेमाघरों में दोबारा रिलीज किया गया है, जो फिल्म की 25वीं वर्षगांठ से चार दिन पहले है। राकेश रोशन की निर्देशित 'कहो ना प्यार है' 14 जनवरी 2000 को रिलीज हुई थी। अब हाल ही में, अभिनेत्री अमीषा पटेल ने बताया कि कैसे उनकी पहली फिल्म कहो ना... प्यार है ने उन्हें जबरदस्त लोकप्रियता दिलाई थी।

फैंस लिखते थे खून से खत: ऋतिक रोशन और अमीषा पटेल स्टारर कहो ना प्यार है ने फिल्म इंडस्ट्री में उनकी शुरुआत की। लेकिन, इसकी जबरदस्त सफलता ने रातों-रात अभिनेताओं के लिए गेम चेंजर साबित हुई। चूंकि फिल्म आज फिर से रिलीज हुई है। अभिनेत्री ने पुरानी यादें ताजा कीं और बताया कि कैसे प्रशंसक उनके और ऋतिक के लिए पागल थे। दीवानगी इस हद तक बढ़ गई कि कुछ ने अपने खून से खत लिखे तो कुछ ने उनकी तस्वीरों से शादी कर ली।

फिल्म के किरदारों की तरह कपड़े पहनना शुरू किया था: हाल ही में, न्यूज 24 को दिए एक नए इंटरव्यू में अमीषा पटेल ने अपने करियर की दो फिल्मों के लिए आभार व्यक्त किया,

जिनमें कहो ना प्यार है भी शामिल है उन्होंने बताया कि यह फिल्म 2000 में रिलीज हुई थी, जब रील्स या सोशल मीडिया का कोई कॉन्सेप्ट नहीं था। फिर भी, फिल्म का क्रेज प्रशंसकों पर हावी हो था और उन्होंने फिल्म के अपने किरदारों की तरह कपड़े पहनना शुरू कर दिया।

शादी के प्रस्ताव मिलते थे: अमीषा पटेल ने खुलासा किया, ऋतिक और मुझे दोनों को फैंस से शादी के प्रस्ताव मिले। वे मंदिरों में हमारी तस्वीरों से शादी करते थे। मुझे खून से लिखे पत्र मिले, जिसमें उनके प्यार का इजहार किया गया था। यह बहुत डरावना था। मेरे पीछे-पीछे लोग आते थे।

केआरके की आलोचना से हुई परेशान उर्वशी रौतेला

उर्वशी रौतेला इन दिनों अपनी आगामी फिल्म डाकू महाराज के गाने 'दबिड़ी दीबिड़ी' को लेकर काफी चर्चा में चल रही हैं। सोशल मीडिया पर गाने के स्टेप्स की काफी आलोचना हो रही है। इसी क्रम में केआरके ने भी गाने के स्टेप्स को काफी 'वल्गर' बताया था। अब उर्वशी रौतेला ने केआरके की ट्रोलिंग का मुंहतोड़ जवाब दिया है। केआरके ने गाने को ट्रोल करते हुए कहा कि उर्वशी को ऐसे अश्लील डांस स्टेप्स करने के लिए शर्म आनी चाहिए। एक्स पर उनके पोस्ट में लिखा था, तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के लोगों को ऐसे अश्लील गाने शूट करने में शर्म नहीं आती? तो बेहतर है कि एडल्ट फिल्में बनाना शुरू कर दें। उर्वशी को भी ऐसे गाने करने के लिए शर्म आनी चाहिए। उर्वशी ने केआरके पर निशाना साधते हुए लिखा, यह दुख की बात है कि कुछ लोग जिन्होंने कुछ हासिल नहीं किया, वे उन लोगों की आलोचना करने के हकदार महसूस करते हैं, जो अपने काम को लेकर काफी मेहनत करते हैं। असली शक्ति दूसरों को गिराने में नहीं है, बल्कि उन्हें ऊपर उठाने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने में है।
सोशल मीडिया पर लोगों ने इस जोड़ी के बीच उम्र के अंतर को लेकर भी आलोचना की है।

ऑपरेट करते वक्त संपर्क टूटा तो जेल में गिरा, खबर पढ़कर पुलिस के पास पहुंचे डाक्टर

सेंट्रल जेल में मिला ड्रोन एक डॉक्टर का, अब आरजीपीवी में मिले ड्रोन मालिक की तलाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल की सेंट्रल जेल के बाद दूसरे दिन आरजीपीवी कैंपस से भी एक ड्रोन बरामद किया गया है। ड्रोन एक पेड़ पर अटका हुआ था, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। जेल में मिले ड्रोन के मालिक की पहचान हो गई है।

वह डॉक्टर का निकला, जिसे उन्होंने बेटे के लिए दिल्ली से खरीदा था। इस ड्रोन का रिमोट और कागजात लेकर वह गुरुवार को जेल परिसर पहुंचे और अधिकारियों को जानकारी दी। डॉक्टर ने बताया कि गत 31 दिसंबर को ड्रोन ऑपरेट करते समय संपर्क टूट गया था। इसके बाद वह कहां पहुंचा उन्हें जानकारी नहीं थी। जानकारी के अनुसार बुधवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे सेंट्रल जेल स्थित हाई सिक्योरिटी वाले ब खंड के पास एक ड्रोन मिला था। यह ड्रोन पास ही निमार्णाधीन नई बैरिक के लिए खोदे गए गड्ढे के पास पड़ा था. ड्रोन मिलने के बाद जेल की सुरक्षा को लेकर हड़कंप मच गया था. गुरुवार को पुलिस कमिश्नर हरिनारायणा चारी मिश्र ने जेल परिसर का निरीक्षण किया और सुरक्षा को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए दिल्ली से खरीदा गया था।

ड्रोन गुरुवार को जेल परिसर में ड्रोन मिलने का समाचार प्रकाशित होने के बाद डॉक्टर स्वप्निल जैन जेल पहुंचे उन्होंने अधिकारियों को बताया कि वह महावीर मेडिकल कालेज में प्रोफेसर हैं और द्वारिका धाम में रहते हैं उन्होंने अपने बेटे के लिए दिल्ली से यह ड्रोन खरीदा था । बीती 31 दिसंबर को आईटी पार्क से यह ड्रोन उड़ाया जा रहा था, लेकिन ऊंचाई ज्यादा होने के

कारण संपर्क टूट गया और ड्रोन गायब हो गया था । उन्होंने ड्रोन का रिमोट भी अधिकारियों को दिया अधिकारियों ने जब चैक किया तो वह रिमोट उसी ड्रोन का निकला डॉक्टर ने ड्रोन खरीदने के कागजात भी प्रस्तुत किए हैं, लेकिन पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ड्रोन की फोरेंसिक जांच कराई जाएगी। उधर गांधी नगर पुलिस जेल में मिले ड्रोन की जांच पड़ताल कर रही थी टीम जब आरजीपीवी कैंपस पहुंची तो वहां भी एक पड़े पर ड्रोन अटका हुआ मिला यह ड्रोन जेल में मिले ड्रोन से बिल्कुल अलग है हालांकि उसके अंदर कोई मेमोरी कार्ड अथवा संदिग्द रिकार्डिंग नहीं मिली है । यह ड्रोन किसका है, इसको लेकर इलाके में एनाउंसमेंट करवाया गया है प्रारंभिक पड़ताल में यह ड्रोन भी खिलौना जैसा लग रहा है, लेकिन इसकी भी तकनीकी और फोरेंसिक जांच करवाई जा रही है।

स्कूटर में टक्कर मारकर 15 लाख की लूट, हवाला कारोबार की आशंका

भोपाल। चूनाभट्टी स्थित कोलार तिराहे पर अपाचे बाइक से आए बदमाशों ने व्यवसायी की स्कूटर को टक्कर मार दी थी। लूट की वापदात से पुलिस को हवाला कारोबार की आशंका है। घटना की गंभीरता को देखते हुए चूनाभट्टी पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम को लगाया गया है। पुलिस ने दावा किया है कि लूट की वारदात का जल्द ही खुलासा कर लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि अनुसार साहिल सिंह (34) जानकी नगर चूनाभट्टी में रहता है और दोस्त मयूर के साथ गल्ले का व्यवसाय करता है मयूर ने बुधवार को उसे पुराने शहर में रहने वाले व्यवसायी सोनू से रुपए लाने का कहा था। साहिल दूसरे दोस्त रोहित के साथ रुपये लेने गया था उसने सोनू से मिले रुपये एक बैग में रखे थे दोपहर करीब सवा एक बजे दोनों कोलार कोलानी तिराहे के पास पहुंचे, तभी पीछे से आए रहे अपाचे बाइक पर सवार दो युवकों ने उनकी स्कूटर को टक्कर मार दी टक्कर लगते ही साहिल और रोहित स्कूटर समेत सड़क पर गिर पड़े, इसी बीच बाइक सवार बदमाश नोटों से भरा बैग लेकर मैनिट चौराहे की तरफ भाग निकले। हड़बड़ी के चलते अपाचे बाइक का नंबर भी नहीं देखा जा सका बाद में साहिल ने थाने जाकर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करवाया सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही पुलिस बदमाशों की तलाश में चूनाभट्टी के साथ ही क्राइम ब्रांच की टीम को भी लगाया गया है।साहिल जिस रास्ते से रुपए लेकर लौट रहा था, उस पूरे रास्ते में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। इसके साथ ही बदमाशों के भागने वाले रूट के भी फुटेज निकाले जा रहे हैं पुलिस का प्रारंभिक अनुमान है कि इस वारदात को रैकी करने के बाद अंजाम दिया गया है।

स्कूल का ताला तोड़कर बच्चों की फीस चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रातीबड़ स्थित एक स्कूल के एकाउंट आफिस का ताला तोड़कर चोर दराज में रखी बच्चों की फीस चोरी कर ले गए। चोरी की रकम कितनी है, इसका खुलासा फिलहाल नहीं हो सका है। पुलिस ने प्रशासनिक अधिकारी की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार नरेंद्र सोनी (45) शिव शक्ति नगर बागसेवनिया में रहते है। वह बरखेड़ी कला रातीबड़ स्थित शारदा विद्या मंदिर में प्रशासनिक अधिकारी हैं। बीती 7 जनवरी की शाम करीब चार बजे स्कूल बंद होने के बाद स्टाफ अपने घर चला गया था। 8 जनवरी की सुबह करीब साढ़े सात बजे सफाई कर्मचारी पहुंचे तो एकाउंट आफिस का ताला और गेट टूटे हुए दिखे। सूचना के बाद नरेंद्र स्कूल पहुंचे तो पता चला कि बदमाश ने एकाउंट आफिस का ताला तोड़कर दराज में रखी बच्चों की फीस की रकम चोरी कर ली है। चोरी गई रकम का खुलासा कैशियर द्वारा रसीदों से मिलान के बाद हो सकेगा।

कथा सुनने पहुंचे बुजुर्ग की स्कूटर चोरी

भोपाल। कमला नगर में रहने वाले एक बुजुर्ग व्यक्ति की स्कूटर चोरी हो गई। वह कथा सुनने के लिए जैन मंदिर पहुंचे थे। इसी दौरान मैदान खड़ी स्कूटर कोई ले उड़ा कई अन्य स्थानों से भी दोपहिया वाहन चोरी हुए है। पुलिस ने सभी मामलों में अज्ञात वाहन चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार बसंत कुमार जैन (66) रिटायर्ड कर्मचारी हैं और कोटरा सुल्तानाबाद थाना कमला नगर में रहते हैं. सात जनवरी की सुबह करीब नौ बजे वह कथा सुनने के लिए नेहरू नगर स्थित जैन मंदिर पहुंचे थे। उन्होंने अपनी स्कूटर मंदिर के सामने मैदान पर खड़ कर दी और कथा सुनने चले गए। करीब दो घंटे बाद वापस लौटे तो उनकी स्कूटर नहीं था। आसपास तलाश करने पर भी जब स्कूटर नहीं मिली तो अगले दिन थाने जाकर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। इधर एकता बिलाल कालोनी निशातपुरा में रहने वाले शादाब शेख इज्तिमा बाजार में कपड़े बेचने के काम करते है।

बुलेट सवार ने बाइक सवारों को मारी टक्कर, पीछे बैठे दोस्त की मौत

भोपाल। पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित आलम नगर मस्जिद के पास तेज रफ्तार बुलट सवार ने बाइक सवार युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर पीछे बैठे युवक को गंभीर चोट आई थी, जबकि बाइक सवार युवक भी घायल हुआ था। निजी अस्पताल में इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार बृजेश मेहरा पिता गुलाब मेहरा (36) हथाईखेड़ा पठार, आनंद नगर में रहता है। उसने पुलिस को शिकायत करते हुए बताया कि वह पुताई के ठेके लेता है। गत 4 जनवरी को बृजेश अपने पड़ोसी राजेन्द्र कुशवाहा पिता करोड़ी लाल कुशवाहा (33) निवासी माता मंदिर के पास हथाईखेड़ा पठार के साथ अयोध्या नगर से पुताई करने के बाद प्लेटिना बाइक से घर लौट रहा था। बाइक बृजेश चला रहा था, जबकि पीछे राजेंद्र कुशवाहा बैठा हुआ था। दोनों शाम करीब पौने 7 बजे के आसपास आलम नगर मस्जिद के सामने अयोध्या वायपास पहुंचे थे, तभी पीछे से आ रहे बुलट चालक बुलट को काफी तेजी व लापरवाही पूर्वक चलाते हुए उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों बाइक समेत नीचे गिर गए। इस हादसे में राजेन्द्र कुशवाहा को सिर, दोनों हाथों के पंजे सहित घुटनों में और कमर में गंभीर चोट आई थी। बृजेश को मामूली चोट थी। बृजेश राजेंद्र को लेकर निजी अस्पताल पहुंचा, वहां उसका इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान बुधवार शाम राजेंद्र की मौत हो गई। हादसे में बुलट चालक को भी गंभीर चोट आई थी।

किराए की जीप से सैंट्रिंग प्लेट चुराने वाले दो नाबालिग समेत पांच गिरफ्तार

आरोपियों में चोरी का माल खरीदने वाला कबाड़ी भी शामिल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

किराए की थार जीप से सैटिंग प्लेट चुराने वाले दो नाबालिग समेत पांच आरोपियों को अवधपुरी पुलिस ने नाबालिग समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर चोरी गई 90 सैटिंग प्लेटें व थार जीप बरामद की है। आरोपियों ने सैंटिंग प्लेटें चोरी करने के लिए थार जीप किराए पर ली थी। पुलिस ने थार जीप व चोरी की सैंटिंग प्लेटें समेत 20 लाख रुपए का मशरूका बरामद किया है।

पुलिस के मुताबिक सूरजकुंज अवधपुरी निवासी इंदर सिंह सिकरवार (48) ठेकेदार हैं। विगत 8 जनवरी को थाने आकर सूचना दी कि वेदवती कॉलोनी बीडीए रोड अवधपुरी में उसका काम चल रहा है। जिस मकान में काम

चल रहा है उसके बगल में एक झुग्गी बना रखी है। उसमें सामान रखा रहता है। इंदर सिंह ने झुग्गी में 250 नग सैंटिंग की प्लेटें रखी थीं। विगत 8 जनवरी की शाम चार बजे चैक किया तो 250 में से 90 सैंटिंग प्लेटें कम मिलीं। रात 12 बजे से शाम चार बजे के बीच कोई अज्ञात चोर 90 सैंटिंग प्लेटें चुरा ले गया। चोरी गए सामान की कीमत 90 हजार रुपए बताई गई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी। रात्रि गश्त के दौरान चार संदिग्ध लडके घूमते दिखाई दिए। पुलिस को देखते ही लडकों ने भागने का प्रयास किया। पुलिस ने घेराबंदी कर उन लडकों को रोका।

मेडिकल के लिए जेपी अस्पताल आया चोर फरार

भोपाल। जय प्रकाश चिकित्सालय में मेडिकल के लिए आया एक चोर पुलिस के दो पुलिसकर्मियों को चकमा देकर फरार हो गया। दरअसल, पुलिसकर्मी उसे मेडिकल के लिए जय प्रकाश अस्पताल लेकर पहुंचे थे, तभी आरोपी चकमा देकर हथकड़ी खिसकाते हुए फरार हो गया। पुलिसकर्मियों ने उसकी तलाश की, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला तो हबीबगंज पुलिस से शिकायत की गई। पुलिस ने अभिरक्षा से फरार होने का प्रकरण दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार कोहेफिजा पुलिस ने जयंत लोधी पिता कालूराम लोधी (22) विदिशा को चोरी के मामले में गिरफ्तार किया था। उसे मेडिकल परीक्षण के लिए जयप्रकाश अस्पताल लाया गया था। गुरुवार दोपहर करीब 3 बजे जयंत ने हथकड़ी खिसकाई और पुलिस को चकमा देकर मौके से भाग निकला। आसपास तलाश करने पर भी जब उसका कुछ पता नहीं चला तो हबीबगंज पुलिस को सूचना दी गई।

ऑनलाइन होटल बुकिंग में नायब तहसीलदार से ठगी

असिस्टेंट कमांडेंट पति के खाते से कटे ढाई लाख , गूगल पर नंबर किया था सर्च

भोपाल, दोपहर मेट्रो

शाहपुरा थाना क्षेत्र में रहने वाली महिला नायब तहसीलदार को सायबर जालसाज ने 2 लाख 64 हजार रुपए का चूना लगा दिया। नायब तहसीलदार ने होटल बुक कराने गूगल पर नंबर सर्च किया था। इस दौरान जालसाज से उनका संपर्क हो गया। उसने ओटीपी पूछकर क्रेडिट कार्ड से रुपए निकाल लिए। घटना बीती 31 दिसंबर की है। शाहपुरा पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस मोबाइल नंबर और आरोपी के बैंक अकाउंट नंबर से उसकी तलाश कर रही है।

शाहपुरा थाना प्रभारी लोकेंद्र सिंह ठाकुर ने बताया कि अंकित दुबे सीआईएसएफ में असिस्टेंट कमांडेंट हैं। वह छिंदवाड़ा में चल रही भर्ती ड्यूटी में तैनात हैं। उनकी पत्नी नायब तहसीलदार हैं और परिवार के साथ रोहित नगर फेस-2 शाहपुरा में रहती हैं। 31 दिसंबर को अंकित की पत्नी को परिवार के साथ होटल ताज जाना था। उन्होंने ताज होटल का नंबर गूगल पर सर्च

किया। इस दौरान एक वेबसाइट नजर आई। जिसमें मोबाइल नंबर था। उन्होंने उस नंबर पर काल किया तो कॉल रिसीव करने वाले ने बताया कि न्यू इयर पार्टी के लिए काफी कम टिकट बची हैं, इसलिए उन्हें जल्दी ही टिकट बुक करनी पड़ेगी। इसके साथ ही उसने भुगतान के लिए पूछा तो नायब तहसीलदार ने बताया कि वह क्रेडिट कार्ड से भुगतान करेगी।

ओटीपी पूछकर वारदात

कॉलर ने नायब तहसीलदार से क्रेडिट कार्ड की डिटेल मांगी और उन्होंने जानकारी दे दी। बाद में जालसाज ने उनके मोबाइल पर आए ओटीपी मांग लिया। ओटीपी नायब तहसीलदार के पति अंकित दुबे के मोबाइल पर पहुंचा और पति से ओटीपी पूछकर उन्होंने जालसाज को बता दिया। ओटीपी बताते हुए उनके खाते से 102 रुपए कट गए, लेकिन टिकट नहीं आया। महिला ने जब उससे टिकट का कहा तो उसने एक और ओटीपी भेजा। नायब तहसीलदार ने यह ओटीपी भी पति से पूछा और जालसाज को दे दिया। इसके बाद पति के क्रेडिट कार्ड से कुल 2.64 लाख रुपए कट गए।

होटल में किया संपर्क

खाते से रुपए कटने के बाद नायब तहसीलदार होटल ताज पहुंची और वहां वेबसाइट और मोबाइल नंबर के बारे में बताया। होटल में पता चला कि यह उनकी वेबसाइड नहीं है और मोबाइल नंबर भी उनका नहीं है। ठगी के बाद अंकित ने अपने स्तर पर जालसाज का पता लगाने का प्रयास किया, लेकिन कुछ पता नहीं चला तो उन्होंने शाहपुरा थाने जाकर शिकायत की।

मेट्रो एंकर ब्लैकमेलर महिला पर मामला दर्ज

20 लाख और घर नाम कराने की अड़ीबाजी, पति व भाई पर भी प्रकरण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

आपत्तिजनक वीडियो व फोटो वायरल करने की धमकी देकर प्रापर्टी डीलर से 20 लाख रुपए उसका मकान अपने नाम कराने की मांग करने वाली ब्लैकमेलर महिला उसके पति समेत भाई पर शाहजहांनाबाद पुलिस अड़ीबाजी समेत अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। चार साल पूर्व 2020 में किसी ने महिला के पति पर गोली चलाई थी। इस मामले में महिला ने प्रापर्टी डीलर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

पुलिस के अनुसार शाहजहांनाबाद निवासी इनामउल्लाह प्रापर्टी डीलर हैं। वर्ष 2013 से उनके एक महिला से संबंध थे। जनवरी 2020 में महिला ने अपने

सभी संबंध समाप्त कर लिए। इसको लेकर उनके बीच एक अनुबंध पत्र भी बना था। इसमें महिला के पति ने भी गवाह के तौर पर हस्ताक्षर किए थे। इसके बाद महिला के पति पर किसी ने जानलेवा हमला करते हुए गोली चला दी। महिला और उसके पति ने इनामउल्लाह पर गोली चलाने का आरोप लगाते हुए जेल करा दी। 5 नवंबर 2020 से 22 दिसंबर 2021 तक इनामउल्लाह जेल में रहे। मार्च 2024 में वह कोर्ट से वह दोषमुक्त हो गए। इस बीच जून महीने में महिला की बेटी की शादी हुई। शादी में इनामउल्लाह को बुलाया गया और महिला ने बातचीत शुरू कर दी। बाद में दोनों के बीच एक बार फिर संबंध बने। संबंधों की आपत्तिजनक फोटो व वीडियो महिला द्वारा बना लिए गए। अब महिला कोई न कोई बहाना बताकर इनामउल्लाह से पैसा मांग लेती थी। इनाम उल्लाह उसे अब तक 12 लाख 70 हजार रुपए दे चुके है। बावजूद इसके महिला की डिमांड लगातार बढ़ रही थी। इनामउल्लाह और महिला के अनैतिक संबंधों की जानकारी महिला के पति व महिला के भाई को भी है। महिला समेत तीनों उससे रकम वसूल रहे थे। यह जानकर फरियादी ने महिला से संबंध समाप्त करना चाहा।

कार में तोड़फोड़ हंगामा, एक महीने बाद एफआईआर दर्ज

भोपाल। पिपलानी थाना क्षेत्र स्थित रत्नागिरी में गत 6 दिसंबर की रात कार में तोड़फोड़ करने वाले कार सवारों पर पुलिस ने तोड़फोड़ और गालीगलौज समेत अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने वीडियो और फुटेज के आधार पर उक्त कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों पर नामजद एफआईआर की है, जबकि अन्य की पहचान की जा रही है। बताया जा रहा है तोड़फोड़ करने वालों में युवतियां भी शामिल है। पुलिस के अनुसार अमित शर्मा उर्फ सोनू रत्नागिरी में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को शिकायती आवेदन देते हुए बताया था कि उनकी कार घर के बाहर खड़ी थी। गत 6 दिसंबर की देर रात उन्हें शोर सुनाई दिया और वह बाहर निकलकर आए।

20 लाख और घर पर थी नजर

महिला ने संबंध समाप्त करने के लिए 20 लाख रुपए और इनामउल्लाह से उसका घर अपने नाम करने की मांग की। इनामउल्लाह ने इंकार किया तो आरोपी उसे आपत्तिजनक फोटो व वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देने लगे। आरोपियों ने अपनी नाबालिग बेटी के जरिए उस पर बलात्कार का झूठा प्रकरण दर्ज कराने की धमकी भी दी गई थी।

क्रिकेट सट्टा बुक कर रहा सटोरिया गिरफ्तार, मोबाइल में मिलीं सट्टे की आईडी

लाखों के लेनदेन का हिसाब व 35 हजार नगद समेत दो मोबाइल जब्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो

क्राइम ब्रांच पुलिस ने चिरायु अस्पताल के पास बैरागढ़ इलाके से क्रिकेट मैच पर सट्टा बुक कर रहे सटोरिए को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास मिले दो मोबाइल में लाखों रुपए के लेनदेन के हिसाब के साथ-साथ करीब आधा दर्जन से अधिक सट्टा बुक करने की आईडियां मिली हैं। पुलिस ने सट्टा अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक सात जनवरी को बैरागढ़

और गांधी नगर क्षेत्र में भ्रमण के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि चिरायु अस्पताल के सामने पर्सियन दरबार के बाजू में सेकंड होम रेस्टोरेंट के सामने बैरागढ़ निवासी विकास सत्तानी उर्फ गट्टी क्रिकेट मैच पर अवैध सट्टा बुक कर रहा है और अवैध रूप से क्रिकेट मैच सट्टे की आईडी अन्य लोगों को लेता-देता है। सूचना मिलते ही क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर विकास सत्तानी उर्फ गट्टी (30) निवासी लक्ष्मण नगर बैरागढ़, को हिरासत में ले लिया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022